केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 79 शनिवार 10 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

खराब भोजन पर भड़के छात्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । खराब भोजन को लेकर भानपुर के जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में छात्रों का गुस्सा इस कदर फूटा कि उन्होंने थाली पलट दी और खाना खाने से इनकार कर दिया। डिजिटल दौर में पली–बढ़ी नई पीढ़ी यानी 'जेन अल्फा' के विरोध का यह तेवर गुरुवार देर रात करीब 10 बजे विद्यालय में देखने को मिला। भोजन की गुणवत्ता से नाराज छात्रों का विरोध बढ़ा तो विद्यालय प्रशासन को पुलिस बुलानी पड़ी। गुरुवार देर रात तक छात्रों को मनाने की कोशिश होती रही, लेकिन वे भोजन करने को तैयार नहीं हुए। शुक्रवार सुबह भी छात्रों की नाराजगी दूर करने के प्रयास जारी रहे। सुबह करीब 10 बजे सीडीओ सार्थक अग्रवाल समेत भानपुर तहसील के कई अधिकारी विद्यालय पहुंचे। अधिकारियों ने छात्रों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। घंटों की मशक्कत के बाद छात्र मान गए और उन्होंने भोजन करना शुरू कर दिया।

देवी प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे मूर्तिकार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।शारदीय नवरात्रि का 11 अक्टूबर को आगमन हो रहा है, बस्ती में दुर्गा पूजा की तैयारियां तेज हो गई हैं। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक मां दुर्गा की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने का काम चल रहा है। खास बात यह है कि प्रतिमाएं तैयार करने के लिए पश्चिम बंगाल के कलाकार करीब पांच महीने पहले ही बस्ती पहुंच गए थे। अब उनकी मेहनत रंग लाने लगी है और प्रतिमाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

सिविल लाइंस स्थित प्रतिमा निर्माता अमोल पाल करीब 27 वर्षों से बस्ती में मां दुर्गा की प्रतिमाएं बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी वह पांच महीने पहले ही यहां आ गए थे। इसके बाद से लगातार प्रतिमाएं तैयार करने में जुटे हैं। उनके यहां सबसे महंगी प्रतिमा की बुकिंग 80 हजार रुपये में हुई है, जिसे सिद्धार्थनगर जिले में स्थापित किया जाएगा। वहीं, सबसे कम कीमत की प्रतिमाएं चार से पांच हजार रुपये तक में उपलब्ध हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में नवरात्रि के पहले दिन से ही दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना शुरू हो जाती है। शहर में भी कई स्थानों पर पहले दिन मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं। इसके लिए पूजा समितियां पंडालों को सजाने और अन्य तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी हैं। बस्ती की दुर्गा पूजा अपनी भव्यता और विशिष्ट परंपरा के लिए प्रदेश में अलग पहचान रखती है। जहां अधिकांश स्थानों पर दशहरे के दिन दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है, वहीं बस्ती में पूर्णिमा के दिन विसर्जन की परंपरा है। इसी वजह से विसर्जन के दिन आसपास के जिलों और ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में लोग शहर पहुंचते हैं। मां दुर्गा की प्रतिमाओं के दर्शन और विसर्जन का नजारा देखने के लिए शहर में भारी भीड़ जुटती है। नवरात्रि से लेकर विसर्जन तक बस्ती में भक्ति और उत्सव का माहौल बना रहता है।

डर गई है सरकार, आपातकाल जैसे हालात!

नई दिल्ली (आभा)। कॉकरोच जनता पार्टी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि नरेंद्र मोदी सरकार जेन–जी से डर गई है। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि शनिवार को दिल्ली के जंतर–मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले भाजपा शासित राज्यों में पार्टी के वॉलंटियर्स को हिरासत में लिया जा रहा है। जंतर मंतर के विरोध प्रदर्शन से पहले दास ने कहा, 'देश में आपातकाल जैसे हालात हैं, दिल्ली को किले में बदल दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राजधानी में करीब 23,000 से 26,000 के करीब सुरक्षा बल और जवान तैनात किए गए हैं। गृह मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस की मदद के लिए केंद्रीय बलों की कुल 221 कंपनियां तैनात की हैं। ये आरोप ऐसे समय में लगाए गए हैं जब प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को देखते हुए राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दिल्ली पुलिस ने 10 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। पुलिस ने इसके लिए कम समय की सूचना, निर्देशों का पहले पालन न करने और सार्वजनिक सुरक्षा, कानून–व्यवस्था और ट्रैफिक मैनेजमेंट से जुड़ी चिंताओं का हवाला दिया है। दिल्ली पुलिस ने नई दिल्ली के इलाके में इंटरनेट पर भी पाबंदी लगा दी है।

सौरव दास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया है कि कॉकरोचों और आंदोलनकारियों को रोकने की सरकार की सारी तैयारियां कम पड़ जाएंगी। एक न्यूज रिपोर्ट को साझा करते हुए दास ने ये दावा किया है। उस रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली पुलिस ने दिल्ली के 37 एंट्री प्वाइंट्स पर नाकेबंदी बढ़ा दी है, ताकि दूसरे राज्यों से आने वालों को रोका जा सके। इसके अलावा शहर में कुल 15 डिटेंशन सेंटर बनाए हैं, जहां प्रदर्शनकारियों को हिरासत में रखने की योजना है। इसके अलावा दिल्ली पुलिस ने दिल्ली मेट्रो के 57 स्टेशनों को बंद कर दिया है। रेलवे ने भी नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन आने वाली ट्रेनों को रद्द कर दिया है।

सीजेपी ने कहा है कि शनिवार 10 अक्टूबर को जंतर–मंतर पर सुबह 10 बजे से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। पार्टी ने इसके लिए पोस्टर जारी कर लोगों से सुबह 10 बजे जंतर–मंतर पर जुटने की अपील की है। दरअसल, एसआईआर के मुद्दे पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बर्खास्तगी और चुनावी सुधारों की मांग कर रही है।

जन नेता थे रामविलास पासवान- कुलवेन्द्र सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक पद्म भूषण पूर्व केन्द्रीय मंत्री रामविलास पासवान को उनके पुण्य तिथि पर याद किया गया। बादशाह काम्पलेक्स में आयोजित कार्यक्रम में लोक जनशक्ति पाटी जिलाध्यक्ष कुलविन्दर सिंह ने कहा कि रामविलास पासवान सच्चे अर्थो में जन नेता थे। उन्होने गरीबों, मजलूमों का जीवन स्तर सुधारने में कई कदम उठाये। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

कहा कि रामविलास पासवान ने 6 प्रधानमंत्रियो के साथ कार्य किया , वे दलित नेता होने के साथ–साथ एक रहमदिल और अच्छे इंसान थे।

राम विलास पासवान को नमन करने वालों में मुख्य रूप सें केसरी नरायन तिवारी, लाडले हैदर रिज्वी, विष्णु प्रसाद भट्ट, नवाब साहब, बडकऊ सिंह, रिंकु श्रीवास्तव, सौरभ यादव, ईश्वर चंद्र गोड़, लल्लू कनौजिया, बल्लू, चुन्ना, सुभावती देवी, बबीता पासवान और प्रिति कनौजिया सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस का भागीदारी न्याय सम्मेलन स्थगित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डा. आलोक रंजन के संयोजन में हर्रैया तहसील क्षेत्र के राम कृपा योग आश्रम जिवधरपुर राय में 11 अक्टूबर को आयोजित भागीदारी न्याय सम्मेलन को राष्ट्रीय नेतृत्व के दिशा निर्देश के अनुरूप स्थगित कर दिया गया है।

यह जानकारी देते हुये डा. आलोक रंजन ने बताया कि सम्मेलन की तैयारी पूरी की जा चुकी थी, अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र पाल गौतम, विधायक वीरेन्द्र चौधरी, पूर्वान्चल जोन प्रभारी राष्ट्रीय सचिव अभिषेक दत्त के साथ ही अनेक वरिष्ठ नेताओं को कार्यक्रम में आना तंय था किन्तु इसी बीच अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के त्याग पत्र की मांग को लेकर चलाये जा रहे आन्दोलन को देखते हुये सभी कार्यक्रम निरस्त हो गये। कांग्रेस नेता डा. आलोक रंजन ने बताया कि भागीदारी न्याय सम्मेलन का कार्यक्रम बाद में सम्पन्न कराया जायेगा।

परिनिर्वाण दिवस पर समाजवादियों ने किया कांशीराम को नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शुक्रवार को दलित वंचित समाज को नई दिशा देने वाले कांशीराम को उनके परिनिर्वाण दिवस पर याद किया गया। कांशीराम जी के चित्र पर माल्यार्पण के बाद वक्ताओं ने कहा कि उन्होने आर्थिक रूप से शोषित और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों का व्यापक जनसमर्थन प्राप्त कर संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के सपनों को साकार करने के लिये आखिरी सांस तक प्रयत्न किया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि पिछड़े अल्पसंख्यक तथा दलितों में सत्ता के प्रति प्यास जगाने वाले मान्यवर कांशी राम वास्तव में बहुजन आंदोलन के महानायक थे. उनके करिश्माई राजनीतिक विचारधारा से भारतीय राजनीति में एक नए युग का उदय हुआ। समाजवाद का भी यही लक्ष्य है कि समाज से गैर बराबरी समाप्त हो। कहा कि देश कांशीराम के योगदान को सदैव याद रखेगा। उन्होने गरीब, वंचित, उपेक्षित वर्ग को राजनीतिक ताकत दिया। उन्होने बाबा साहब के सपनों को जमीनी धरातल पर साकार किया।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, दयाशंकर मिश्रा, मो. स्वालेह, समीर चौधरी, हरीश गौतम, मो. सलीम, राम अशीष वर्मा, आर.डी. निषाद, संजय गौतम, हरीश गौतम आदि ने परिनिर्वाण दिवस पर कांशीराम के योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि कांशीराम ने आंदोलन के जरिए दलित चेतना को उभारने में सफल रहे। उन्होंने सहयोग और क्रांति को नजरअंदाज करते हुए तीसरा रास्ता अपनाया. बामसेफ का गठन कर रणनीतिक कौशल और संगठनात्मक शक्ति का प्रदर्शन किया। भारतीय राजनीति में उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। कहा कि कांशीराम ने गरीबों को सत्ता में आने का स्वप्न ही नहीं दिखाया वरन उसे साकार भी किया। दलित चेतना के महानायक कांशीराम को परिनिर्वाण दिवस पर नमन करने वालों में मुख्य रूप से राम सिंह यादव, अशोक यादव, दीपक आर्या, अरविन्द सोनकर, लवकुश गौतम, नितराम चौधरी, राम बहाल चौधरी, हनुमान प्रसाद चौधरी, प्रशान्त यादव, युनूस आलम, गीता भारती, तूफानी यादव, चिन्तामणि मिश्रा, गुलाब सोनकर, अजय कुमार, लल्लू सोनकर, पंकज कुमार यादव, जोखूलाल यादव, जयराज यादव, सुशील यादव, लालमन यादव, नीलू सिंह, गुलाम गौस, जीत बहादुर सिंह के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दुर्गापूजा से छठ पर्व तक त्यौहारों को लेकर प्रशासन सक्रिय, संवेदनशील स्थानों पर होगी पुलिस बल की तैनाती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आगामी दुर्गा पूजा, दशहरा, छठ पुजॉ एवं दीपावली त्यौहार शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में जिला शांति समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने सभी लोगों से मिलजुल कर भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की परंपरा को कायम रखने के लिए अपील किया। उन्होंने सभी नागरिकों को त्यौहार की बधाई देते हुए सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की भी अपील किया। उन्होंने स्वच्छता के संबंध में कहा कि साफ–सफाई हम सब की जिम्मेदारी है। बिजली की निर्बाध आपूर्ति, ढीले तारों को टाइट तथा लोकल फाल्ट तत्काल ठीक करने के लिए उन्होंने विद्युत विभाग को निर्देशित किया है। प्रतिमा विसर्जन के लिए ले जाने वाले रास्तों का सुदृढीकरण व समतलीकरण के लिए उन्होने पीडब्ल्यूडी व ईओ नगरपालिका विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि प्रतिमा विसर्जन के लिए सभी घाट पर गोताखोर, नाव की आवश्यक व्यवस्था समय से कर ली जाय। इसके साथ प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाय।

उन्होने कहा कि मूर्ति विसर्जन के दौरान समय का विशेष ध्यान रखा जाय। संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती कर दी जाय। आयोजकगण से कहा कि आने वाले आगन्तुको के दृष्टिगत सुरक्षा की सभी तैयारी समय से पूर्ण कर ली जाय। उन्होने बताया कि दुर्गा प्रतिमा स्थापना सुरक्षित स्थान पर करें ताकि ट्रैफिक बाधित न हो, आरती एवं पूजन के दौरान मुकम्मल सुरक्षा रखें ताकि आग लगने का खतरा न हो। इसके लिए आवश्यक उपकरण की पर्याप्त व्यवस्था रखें। उन्होने यह भी कहा कि डीजे यंत्र मध्यम ध्वनि व मानक के अनुसार ही बजाये जाय। उन्होने खाद्य सुरक्षा, अवैध पटाखा, मदाक पदार्थो से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में भ्रमणशील रहते हुए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि इस दौरान सीएचसी/पीएचसी पर पर्याप्त चिकित्सको की उपलब्धता सुनिश्चित हो तथा सभी आवश्यक दवाए उपलब्ध हों।

उन्होने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बैठक में संभ्रान्त नागरिको द्वारा जो भी समस्याए अवगत करायी गयी है, उसका स्थलीय निरीक्षण कर शीघ्र समाधान करायें। उन्होने कहा कि पांडाल में विद्युत सुरक्षा के दृष्टिगत समय से सभी आवश्यक तैयारिया कर ली जाय।

पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने कहा कि प्रत्येक पंडाल में सुरक्षा के लिए वॉलिंटियर भी तैनात किए जाएं। उन्होंने अपील किया कि अफवाहों पर ध्यान ना दें तथा किसी प्रकार की सूचना तत्काल स्थानीय प्रशासन को उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि शासन से निर्देश प्राप्त हुआ है कि पांडाल तथा डीजे मानक के अनुसार ही संचालित किया जाय। उन्होने बताया कि मानकविहीन आवाज पाई जाती है, तो डीजे संचालक के साथ–साथ दुर्गा मूर्ति आयोजन समिति के विरुद्ध भी एफआईआर कराई जाएगी।

उन्होने संभ्रान्त नागरिको से अपील किया कि आपसभी लोगों की नैतिक जिम्मेदारी है कि कार्यक्रम स्थल पर कोई भी विवाद उत्पन्न न होने पायें। उन्होने कहा कि कहा कि अफवाहों पर ध्यान ना दें, प्रतिकूल परिस्थिति आये तो पुलिस प्रशासन को तुरन्त बताये, जिससे समस्या का समय से निदान किया जा सकें। उन्होने यह भी कहा कि विसर्जन के समय करबद्ध तरीके से मूर्तिया निकाले जायें।

बैठक में सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, अपर जिलाधिकारी ज्ञान चन्द्र गुप्ता, अपर पुलिस अधीक्षक श्याम कान्त, सीएमओ डा. राजीव निगम, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, डीआईओएस संजय सिंह, अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी संजीव कुमार, सीवीओ डा. ए.के. गुप्ता, एआरटीओ माला बाजपेयी, उप जिलाधिकारी प्रमोद कुमार, अहमद फरीद खान, हिमांशु कुमार, रश्मि यादव, प्रदुम्न कुमार, नौसीन सिद्दीकी, ईओ नगरपालिका अंगद गुप्ता, डीएसओ विमल शुक्ला, विधायक प्रतिनिधि हर्रैया सरोज मिश्र, सदर के मो. सलीम, कप्तानगंज के गुलाब चन्द्र सोनकर, डा. वी.के. वर्मा, समस्त क्षेत्राधिकारी पुलिस, थाना अध्यक्ष तथा समिति के सदस्य/नागरिक गण उपस्थित रहे।

राज्यसभा चुनाव , भाजपा को 8 और सपा को 2 सीट मिली

लखनऊ (आभा) । राज्यसभा चुनाव में यूपी के सभी 10 उम्मीदवार निर्विरोध चुन लिए गए हैं। इनमें आठ भाजपा और दो सपा के प्रत्याशी शामिल हैं। इस बार राज्यसभा चुनाव पूरी तरह से नीरस रहा है। इसकी वजह रही चुनाव में किसी भी प्रतिद्वंदी का न होना। शुक्रवार को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी और नाम वापसी के बाद निर्वाचन अधिकारी अजीत वर्मा ने सभी उम्मीदवारों के निर्विरोध चुनाव जीतने की घोषणा की तो भाजपा में खुशी की लहर दौड़ गई। वहीं सपाइयों में भी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। दरअसल यूपी से केवल 10 सीटें हीं राज्यसभा के लिए खाली थी। इसके लिए दो सपा और आठ भाजपा ने उम्मीदवारों को उतारा था।

विजय प्रताप वर्मा अध्यक्ष, राजी शरण मंत्री निर्वाचित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के क्षेत्रीय इकाई बस्ती सदर का शैक्षिकोन्नयन गोष्ठी एवं अधिवेशन प्रेस क्लब सभागार बस्ती में शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। अधिवेशन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने कहा शिक्षक हितों के लिए मुझसे जो हो पाएगा, हर संभव मदद कर के लिए तैयार हूँ। शिक्षक समाज का आईना होता है। जिला संयोजक देवेन्द्र वर्मा ने कहा कि संगठन शिक्षकों के सम्मान और अधिकार के लिए हर स्तर की लड़ाई लड़ने को तैयार है। अधिवेशन को सह संयोजक विजय प्रकाश चौधरी, इन्द्रसेन मिश्रा, महेश कुमार, चंद्रभान चौरसिया, डॉ दुर्गा प्रसाद सिंह सुमन सागर और संघ मित्रा गुप्ता आदि ने संबोधित किया।

अधिवेशन के बाद ब्लॉक कार्यकारिणी का निर्वाचन पर्यवेक्षक सत्य प्रकाश पाठक और निर्वाचन अधिकारी राम भरत वर्मा की देख रेख में सम्पन्न हुआ। सभी पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए।

सर्व सम्मत से विजय प्रताप वर्मा अध्यक्ष, राजी शरण मंत्री, राकेश चौधरी कोषाध्यक्ष, राम कृष्ण पाण्डेय वरिष्ठ उपाध्यक्ष और सर्वेश कुमार यादव संयुक्त मंत्री निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर अवलेन्द्र पटेल,विनय चौबे,सुनील कुमार,गिरजेश चौधरी और श्रीमती रेखा चौधरी चुनी गई। संगठन मंत्री के रूप में नीरज कुमार श्रीवास्तव, चंद्रमणि विश्वकर्मा, जगनरायण, रामप्रीत और श्रीमती नीरू निर्वाचित हुई जबकि प्रचार मंत्री अमित वर्मा,राम कमल,अमरीन कुमार प्रजापति , नंदलाल और श्रीमती अमित सोनी चुनी गई। एकाउन्टेंट लाल यादव, आडिटर लालमणि यादव और मीडिया प्रभारी अनिल कुमार चुने गये। नव निर्वाचित पदाधिकारियों को जिला सह संयोजक विजय प्रकाश चौधरी ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाया।

गोष्ठी और अधिवेशन में प्रज्ञा सिंह,अर्चना श्रीवास्तव, अंजना श्रीवास्तव, अमिता वर्मा,संध्या चौधरी,अंजू, मुनिराम वर्मा प्रभाकर, रामपाल चौधरी, के के वर्मा उर्फ गुड्डू, ज्ञानदास चौधरी, रमेश चंद्र चौधरी,प्रताप नारायण चौधरी, रवींद्र वर्मा,अजय प्रताप चौधरी,अरविंद यादव, विवेकानंद चौरसिया,इरशाद अहमद, राघवेंद्र सिंह,प्रवीण पाण्डेय सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारियों का धरना, कार्य बहिष्कार दूसरे दिन भी जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ ने प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत संविदा कर्मचारियों की लंबित मांगों को आयोजित धरना और कार्य बहिष्कार दूसरे दिन भी मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पर जारी रहा।

प्रदेश महामंत्री डा. आदित्य भारती, मण्डल अध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा, जिलाध्यक्ष डा. अजय कुमार के नेतृत्व में आयोजित धरने में वक्ताओं ने कहा कि कार्य बहिष्कार 10 अक्टूबर तक चलेगा। इसके बाद भी संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण, समान कार्य–समान वेतन और सेवा सुरक्षा सहित अन्य मांगों को सरकार ने न माना तो 12 अक्टूबर को लखनऊ में प्रदर्शन किया जायेगा। बताया कि जनपद के 1100 संविदा स्वास्थ्यकर्मी कार्य बहिष्कार में हिस्सा ले रहे हैं।

संघ के प्रदेश महामंत्री डा. आदित्य भारती, मंडल अध्यक्ष डा वीके वर्मा जिलाध्यक्ष डा. अजय कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रदेश में एक लाख से अधिक संविदा कर्मचारी पिछले कई वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में लगातार योगदान दे रहे हैं। कोरोना महामारी के कठिन दौर में भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा कर्मचारियों ने पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी सेवाएं दीं किन्तु उनकी जायज मांगों को अनसुनी किया जा रहा है।

संघ की मांगों में संविदा कर्मचारियों के लिए स्थानांतरण नीति बहाल करने, सेवाकाल के दौरान मृत्यु होने पर परिवार के पात्र सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने की नीति बनाने, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आउटसोर्स के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों को जिला स्वास्थ्य समिति में शामिल करने और स्वास्थ्य विभाग में होने वाली नियमित भर्तियों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारियों के लिए कम से कम 25 प्रतिशत सीटों का कोटा निर्धारित करने आदि की मांग शामिल है।

मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पर दूसरे दिन हुये धरने और कार्य बहिष्कार के दौरान मुख्य रूप से डा. आनन्द गौरव शुक्ला, डा. राकेश कुमार, डा. प्रदीप शुक्ला, डा. जुनेद अहमद, डा. इन्द्रेश चौधरी, डा. राम प्रकाश, डा. श्रद्धा सिंह, डा. दीपिका सचान, डा. नीलम चौधरी, डा. सतीश चौधरी, डा. ए.के. दूबे, डा. पी.एन. चौधरी, डा. धर्मेन्द्र चौधरी, डा. सुनील सौरभ, डा. रवि वर्मा, डा. नफीस खान, डा. साजिया, डा. अनिल मिश्र, डा. आमिश कुमार, डा. दिनेश सिंह कुशवाहा, डा. अजय कुमार, डा. नीरज त्रिपाठी, डा. अमिश कुमार, डा. अमित पाण्डेय, डा. राकेश कुमार, विवेक मिश्र, शशि मौली रतन पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, राजकुमार, अनीता देवी, अनुराधा सिंह, राजकुमार प्रजापति, प्रभाकर श्रीवास्तव, राघवेन्द्र त्रिपाठी, विवेक कुमार यादव, शिव भूषण श्रीवास्तव, रविन्द्र चौधरी, रीतेश कुमार सिंह, भगवान स्वरूप, कृष्ण मोहन सिंह, विजय वर्मा, मेराज अहमद, विवेकानन्द सिंह, रविन्द्र पटेल, प्रदीप यादव, विकास गौड़, जमील अहमद, उमेश श्रीवास्तव, डा. नीरज यादव, अवधेश मिश्र, अखिलेश चतुर्वेदी, पूजा गौड के साथ ही बड़ी संख्या में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी शामिल रहे।

कबीर तिवारी की सातवीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर, 100 छात्राओं को मिलीं साइकिलें

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज क्षेत्र के ऐठीडीह स्थित कबीर तिवारी आश्रम में शुक्रवार को कबीर आदित्य नारायण तिवारी की सातवीं पुण्यतिथि पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कबीर आदित्य नारायण तिवारी वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में रक्तदान के साथ जरूरतमंदों की सहायता, महिला सम्मान और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्य किए गए। इस दौरान 100 जरूरतमंद छात्राओं को साइकिलें और ठेले का वितरण किया गया। आगन्तुकों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया, जबकि लोगों को पौधे वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

रक्तदान शिविर में बस्ती चैरिटेबल ब्लड बैंक ने सहयोग प्रदान किया। आयोजन के माध्यम से लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए आगे आने की अपील की गई। आयोजकों ने रक्तदान को मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए लोगों को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद विद्यार्थियों को साइकिल वितरित करने की पहल की गई। आयोजकों का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना और उनके स्कूल आने–जाने में सुविधा उपलब्ध कराना रहा। इसके साथ ही महिलाओं को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। पौधों का वितरण कर लोगों को हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभाने का संदेश भी दिया गया।

कार्यक्रम में स्वर्गीय कबीर आदित्य नारायण तिवारी के परिवार की ओर से न्याय की मांग का मुद्दा भी उठाया गया। रंजना तिवारी ने अपने भाई को न्याय दिलाने के लिए आगे भी संघर्ष जारी रखने की बात कही। वहीं, उनके बड़े भाई तुलसी तिवारी ने भी न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाने की बात कही। परिवार की ओर से न्याय के लिए निरंतर प्रयास करते रहने का संकल्प व्यक्त किया गया। बस्ती चैरिटेबल ब्लड बैंक के मुकेश कुमार, शिवम मिश्र, संदीप चौधरी, जितेन्द्र कुमार आदि ने 20 लोगों के रक्त संग्रह में योगदान दिया।

कबीर आदित्य नारायण तिवारी की सातवीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में इं. वीरेंद्र मिश्रा, अभय देव शुक्ला, राजेश तिवारी के साथ ही बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 10 अक्टूबर 2026 शनिवार

सम्पादकीय

संवाद हो, दमन क्यों?

किसी भी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की असली परीक्षा तब होती है, जब वहां जनता को सरकार की किसी नीति पर सवाल उठाने का सहज अधिकार होता है और ऐसा करने के लिए उनके खिलाफ दमन का रास्ता नहीं अख्तियार किया जाता। सामान्य स्थिति यह है कि सरकार को जनता के सवालों का जवाब देना चाहिए, उनकी शिकायतों को दूर करना चाहिए। मगर इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि देश भर में लोग जब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं के खिलाफ सड़कों पर उतर कर आंदोलन कर रहे हैं, वहीं सरकार उनसे संवाद कायम करके कोई हल निकालने के बजाय पुलिस के जरिए उन्हें रोकने की कोशिश करती है।

इससे भी त्रासद यह है कि लोगों के आंदोलन करने और उसे बाधित करने के क्रम में अगर किसी पुलिस अधिकारी पर कोई गंभीर आरोप लगता है, तो उसकी जांच या उसके खिलाफ कोई कार्रवाई करने के उलट आरोपी को पदोन्नति देने जैसी घोषणा सामने आती है। सवाल है कि ऐसा करते हुए सरकार आखिर अपने किस रुख के बारे में संकेत देना चाहती है। गौरतलब है कि एसआइआर के मसले पर चुनाव आयोग के कई फैसले और समूची प्रक्रिया फिलहाल कठघरे में है, मामला अदालत में भी है। इसका कोई संतोषजनक जवाब सामने नहीं आ रहा है। मगर जब लोग इसके विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं, तो ऐसा लगता है कि सरकार ने पुलिस को खुली छूट दे दी है। नतीजतन, पुलिस अपनी ड्यूटी के न्यूनतम तकाजों को भी भूल गई लगती है।

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इस क्रम में दिल्ली में जारी विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ महिला पत्रकारों के साथ बदतमीजी करने और यहां तक कि यौन हमला करने का भी आरोप एक पुलिस अधिकारी पर लगा। कायदे से इतने गंभीर आरोप के बाद सरकार को तुरंत इस घटना की जांच कराने और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन देना चाहिए था। मगर इसके उलट खबर यह आई कि जिस पुलिस अधिकारी पर महिला पत्रकार से आपत्तिजनक व्यवहार करने का आरोप लगा था, उसे पदोन्नति दी गई है। हालांकि इस खबर के बाद जब चारों तरफ लोगों ने इस फैसले पर सवाल उठाने शुरू किए, तब सरकार ने फिलहाल इस पर रोक लगा दी। मगर पदोन्नति की घोषणा तब की गई थी, जब महिला पत्रकार के खिलाफ हुई घटना पर चारों तरफ लोग आक्रोश जाहिर कर रहे थे, आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

इसके बावजूद क्या सरकार को इस घटना के संबंध में कोई खबर नहीं थी? अगर ऐसा हुआ, तो क्या यह समूचे सरकारी और खुफिया तंत्र की नाकामी नहीं है? देश की राजधानी होने के नाते उम्मीद की जाती है कि दिल्ली में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बीच महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस करेंगी। मगर हालत यह है कि किसी मुद्दे पर चल रहे सैकड़ों या हजारों लोगों के विरोध प्रदर्शन के बीच महिला पत्रकार से बदतमीजी का आरोप खुद एक पुलिस अधिकारी पर लगता है, जिस पर महिलाओं को किसी दुर्व्यवहार से बचाने की भी जिम्मेदारी है। इस मामले में सरकार का रुख क्या बताता है! सवाल है कि जनता की, जनता के लिए और जनता के द्वारा चुनी गई एक लोकतांत्रिक सरकार की नजर में आखिर आम लोग क्या हैं कि वह उनके संवैधानिक अधिकारों की कद्र करने के बजाय उन्हें किसी प्रतिद्वंद्वी की तरह मान रही है।

दल बदलुओं को सम्मान!

एक लोकतांत्रिक प्रणाली में अगर कोई नेता या जनप्रतिनिधि अपनी पार्टी को छोड़ कर दूसरे दल में शामिल होता है, तो इसे उसके अधिकार के तौर पर देखा जाता है। मगर विडंबना है कि अब यह चलन इस स्तर तक पहुंच चुका है कि महज सत्ता का लाभ पाने के उद्देश्य से किसी राजनीतिक पार्टी के कुछ नेता बाकायदा समूह बना कर अपनी पार्टी छोड़ देते हैं और या तो खुद को असली पार्टी घोषित कर देते हैं या फिर किसी अन्य दल में शामिल हो जाते हैं। इसे भले ही एक सामान्य राजनीतिक चलन मान लिया गया हो, लेकिन सच यह है कि देश की राजनीति में बढ़ती इस प्रवृत्ति की वजह से नेताओं की निष्ठा और सिद्धांतों को लेकर उनकी प्रतिबद्धता पर तीखे सवाल उठने लगे हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में शिवसेना एक मजबूत राजनीतिक ताकत रही है।

मगर जब एकनाथ शिंदे ने अपने साथ विधायकों को लेकर शिवसेना छोड़ने और भाजपा के साथ मिल कर सरकार बनाने का फैसला किया, उसके बाद यह पार्टी दो हिस्सों में बंट गई। उसके बाद चुनाव आयोग के सामने यह मामला सामने आया था कि मूल शिवसेना का चुनाव चिह्न किसे आबंटित किया जाए। इस क्रम में कई दौर की सुनवाई के बाद चुनाव आयोग ने उद्धव ठाकरे गुट की दलीलों को दरकिनार करके शिवसेना के शिंदे गुट को धनुष–बाण चुनाव चिह्न आबंटित कर दिया था। अब उसी मसले पर एक याचिका की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह सख्त टिप्पणी की है कि क्या उन लोगों को पार्टी का चुनाव चिह्न दिया जा सकता है, जिन्होंने दलबदल जैसा संवैधानिक पाप किया है। कोर्ट ने यह भी कहा कि क्या सिर्फ विधायकों की संख्या को अकेली कसौटी मानना उचित है, जबकि उनके खिलाफ अयोग्यता से संबंधित मामला अदालत में चल रहा हो।

यह विचित्र है कि अगर संविधान में लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाने के उद्देश्य से कोई व्यवस्था की गई है, तो उसकी तकनीकी जटिलताओं का लाभ उठा कर कुछ नेता कई बार अपने पक्ष को लेकर ऐसा रवैया अख्तियार कर लेते हैं, जिसमें उन्हें जनप्रतिनिधि चुनने वाली जनता ठगी रह जाती है। ज्यादातर मौकों पर दलबदल की यह प्रवृत्ति न केवल प्रकारांतर से जनता के साथ धोखा होती है, बल्कि सैद्धांतिक राजनीति के बुनियादी तकाजों को ताक पर भी रखती है। इस प्रवृत्ति पर काबू पाने के लिए दलबदल कानून बना, लेकिन उससे इस पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ा।

सवाल है कि चुने गए जनप्रतिनिधियों के बीच सुविधा की सियासत की बढ़ती प्रवृत्ति अगर इसी कदर आम होती गई, तो ऐसे में लोकतंत्र का कैसा स्वरूप बचेगा। चुनाव प्रक्रिया के वक्त लगभग सभी मतदाता कई उम्मीदवारों में से किसी एक को वोट देने के निर्णय तक पहुंचने से पहले उसके वादों और व्यक्तित्व को समझने से लेकर उस पर भरोसा करने तक काफी जद्दोजहद से गुजरते हैं। मतदाता के सामने अपनी पसंद के उम्मीदवार की पार्टी की राजनीति और सिद्धांत की एक स्पष्ट तस्वीर होती है। मगर चुने जाने के बाद बिना किसी मजबूत वजह के दल बदलने वाले जनप्रतिनिधियों के लिए नैतिकता और सिद्धांतों का सवाल शायद कोई मायने नहीं रखता है। संविधान में लोकतांत्रिक मूल्यों के हित में की गई व्यवस्थाओं का बेजा फायदा उठा कर अपनी सुविधा और लाभ की राजनीति को प्राथमिकता देने और बिना किसी हिचक के दल बदलने वाले नेताओं के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने उचित ही 'संवैधानिक पाप' कहा है। मगर जरूरत इस बात की है कि सख्त टिप्पणियों से आगे जाकर बिना किसी सैद्धांतिक आधार के दल बदलने की प्रवृत्ति को रोकने के लिए पहल हो।

बदलती दुनिया में आर्थिक सुरक्षा की नई चुनौती

—अखिल कुमार यादव—

वैश्विक राजनीति में शक्ति का अर्थ लंबे समय तक सेना, मिसाइल और सैन्य गठबंधनों से लगाया जाता रहा है, लेकिन आज दुनिया की तस्वीर तेजी से बदल रही है। अब किसी देश को कमजोर करने के लिए सीमा पर सैनिक भेजना ही जरूरी नहीं है। उसके निर्यात पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है, उसके उत्पादों पर भारी शुल्क लगाया जा सकता है, महत्वपूर्ण तकनीक तक उसकी पहुंच रोकी जा सकती है, ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित किया जा सकता है या उसकी आपूर्ति श्रृंखलाओं में ऐसी बाधाएं पैदा की जा सकती हैं जिनका असर सीधे उसकी अर्थव्यवस्था और आम नागरिक की जिंदगी पर पड़े। यही बदलती वास्तविकता कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव पीके मिश्रा के बयान के केंद्र में दिखाई देती है। उन्होंने जिस बात की ओर संकेत किया है, वह केवल व्यापार नीति का विषय नहीं बल्कि आने वाले समय की वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण सवाल है आर्थिक उपाय अब केवल आर्थिक उपकरण नहीं रह गए हैं, बल्कि कई बार हथियार की तरह इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

इस बदलाव को समझने के लिए दुनिया की मौजूदा परिस्थितियों को देखना होगा। पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था लगातार एक के बाद एक संकटों से गुजरी है। कोरोना महामारी ने यह दिखाया कि किसी एक देश या क्षेत्र में उत्पादन रुकने से हजारों किलोमीटर दूर बैठे देशों की फैक्ट्रियां भी बंद हो सकती हैं। रूस–यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा, खाद्यान्न और उर्वरक बाजारों को प्रभावित किया। पश्चिम एशिया में तनाव ने समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ाईं। इसके साथ ही अमेरिका–चीन व्यापार तनाव, तकनीकी प्रतिबंध, सेमीकंडक्टर आपूर्ति पर नियंत्रण और बढ़ते शुल्कों ने यह स्पष्ट कर दिया कि वैश्विक बाजार अब केवल मांग और आपूर्ति के नियमों से संचालित नहीं हो रहे हैं। उनके पीछे भू–राजनीतिक हित भी तेजी से प्रभावशाली हो रहे हैं।

पीके मिश्रा का निर्यात प्रतिबंध, आर्थिक पाबंदियों और शुल्कों को हथियार की तरह इस्तेमाल किए जाने का उल्लेख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका सीधा संबंध किसी देश की आर्थिक संप्रभुता से है। यदि किसी देश की अर्थव्यवस्था कुछ चुनिंदा देशों से आने वाले कच्चे माल, ऊर्जा, तकनीक या महत्वपूर्ण उपकरणों पर अत्यधिक निर्भर है तो उस निर्भरता को संकट के समय दबाव के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। यही कारण है कि आज आर्थिक सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा से अलग करके देखना मुश्किल होता जा रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य का उदाहरण इस पूरी तस्वीर को और स्पष्ट करता है। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में शामिल इस समुद्री रास्ते के आसपास तनाव बढ़ने का मतलब केवल एक क्षेत्रीय भू–राजनीतिक संकट नहीं है। इसका असर तेल और गैस की कीमतों, समुद्री परिवहन की लागत, बीमा खर्च, मुद्रास्फीति और अंततः आम आदमी की जेब तक पहुंच सकता है। भारत जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देश के लिए इसका महत्व और बढ़ जाता है। दुनिया के किसी एक हिस्से में पैदा हुआ संकट भारत में पेट्रोल–डीजल की कीमतों से लेकर परिवहन लागत, उद्योगों की उत्पादन लागत और घरेलू महंगाई तक को प्रभावित कर सकता है।

यहीं से आर्थिक सुरक्षा का असली अर्थ सामने आता है। आर्थिक सुरक्षा का मतलब केवल विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत रखना या सकल घरेलू उत्पाद बढ़ाना नहीं है। इसका अर्थ यह भी है कि देश आवश्यक वस्तुओं, ऊर्जा, खाद्यान्न, उर्वरक, दवाओं, तकनीक और महत्वपूर्ण औद्योगिक कच्चे माल के लिए किसी एक स्रोत पर अत्यधिक निर्भर न हो। संकट के समय देश के पास वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत हों, घरेलू उत्पादन की क्षमता हो और वैश्विक बाजार में अचानक आने वाले झटकों को सहने की क्षमता हो।

भारत के लिए यह चुनौती अवसर में भी बदल सकती है। यदि दुनिया आपूर्ति श्रृंखलाओं को लेकर अधिक सतर्क हो रही है तो भारत विश्वसनीय विनिर्माण और आपूर्ति केंद्र के रूप में अपनी भूमिका मजबूत कर सकता है। लेकिन इसके लिए केवल विदेशी कंपनियों को भारत में कारखाने लगाने के लिए आकर्षित करना पर्याप्त नहीं होगा। घरेलू उद्योग, छोटे और मध्यम उद्यम, अनुसंधान एवं विकास, कौशल, लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह, ऊर्जा और तकनीकी क्षमता को एक साथ मजबूत करना होगा। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग होना नहीं, बल्कि दुनिया के साथ जुड़ते हुए अपनी कमजोर निर्भरताओं को कम करना होना चाहिए।

इस संदर्भ में व्यापार नीति की भूमिका भी बदल जाती है। शुल्क हमेशा संरक्षण का साधन नहीं होते और प्रतिबंध हमेशा सुरक्षा का पर्याय नहीं होते। यदि कोई देश अपने व्यापारिक हितों को राजनीतिक दबाव के लिए इस्तेमाल करता है तो दूसरे देशों के सामने भी अपनी रणनीतिक निर्भरताओं को कम करना का सवाल खड़ा होता है। लेकिन इसका दूसरा पक्ष यह है कि अत्यधिक संरक्षणवाद पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को महंगा बना सकता है। यदि हर देश अपने बाजार को शुल्कों और प्रतिबंधों से बंद करने लगे तो वैश्विक व्यापार की लागत बढ़ेगी, उपभोक्ताओं को महंगे सामान मिलेंगे और विकास की गति प्रभावित हो सकती है।

इसलिए आने वाले समय की सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक राष्ट्रवाद और वैश्विक आर्थिक सहयोग के बीच संतुलन बनाने की होगी। दुनिया को ऐसी व्यवस्था की जरूरत है जिसमें देश अपने रणनीतिक हितों की रक्षा भी कर सकें और व्यापार के खुले एवं पारदर्शी नियम भी कायम रहें। आर्थिक हथियारों की बढ़ती भूमिका अंततः उसी वैश्विक व्यवस्था को कमजोर कर सकती है जिस पर आधुनिक अर्थव्यवस्था टिकी हुई है।

भारत के लिए इसका एक और महत्वपूर्ण पहलू ऊर्जा संक्रमण है। जब तक दुनिया तेल और गैस पर निर्भर है, तब तक ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा भू–राजनीतिक जोखिमों से जुड़ी रहेगी। इसलिए नवीकरणीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, ऊर्जा भंडारण और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसी तकनीकों में निवेश केवल पर्यावरणीय नीति नहीं बल्कि दीर्घकालीन आर्थिक और रणनीतिक सुरक्षा की नीति भी है। जितनी अधिक ऊर्जा जरूरतें घरेलू और विविध स्रोतों से पूरी होंगी, उतना ही बाहरी भू–राजनीतिक घटनाक्रम का असर कम किया जा सकेगा।

लेकिन इस पूरी बहस का सबसे महत्वपूर्ण संदेश शायद यह है कि 21वीं सदी की लड़ाई केवल सीमाओं पर नहीं लड़ी जाएगी। डेटा, तकनीक, चिप, ऊर्जा, समुद्री मार्ग, वित्त, खनिज, आपूर्ति श्रृंखला और बाजार भी शक्ति के नए क्षेत्र बन चुके हैं। जिस देश के पास इन क्षेत्रों में विकल्प और क्षमता होगी, उसके पास संकट के समय अधिक रणनीतिक स्वतंत्रता होगी। इसके विपरीत जो देश कुछ सीमित स्रोतों पर अत्यधिक निर्भर होगा, उसकी आर्थिक नीति पर बाहरी घटनाओं का दबाव अधिक रहेगा।

कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में पीके मिश्रा की टिप्पणी इसी बदलती दुनिया की चेतावनी है। आर्थिक सुरक्षा को अब केवल अर्थशास्त्रियों की चिंता मानना पर्याप्त नहीं है और राष्ट्रीय सुरक्षा को केवल रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी समझना भी अधूरा दृष्टिकोण होगा। दोनों के बीच की दूरी लगातार कम हो रही है। आने वाले समय में मजबूत राष्ट्र वही होंगे जो अपनी सीमाओं की रक्षा के साथ–साथ अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं, ऊर्जा स्रोतों, तकनीकी क्षमता, उत्पादन व्यवस्था और आर्थिक निर्णय लेने की स्वतंत्रता की भी रक्षा कर सकें। दुनिया जिस दिशा में बढ़ रही है, उसमें आर्थिक शक्ति अब सिर्फ समृद्धि का माध्यम नहीं रह गई है, वह रणनीतिक शक्ति का एक महत्वपूर्ण हथियार भी बन चुकी है।

वोट का अधिकार नागरिकता की आत्मा

—विश्वनाथ सचदेव—

वोट देने का अधिकार नागरिकता का सार है। इसी के माध्यम से सामान्य नागरिक शासन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है। हम न भूलें कि लोकतंत्र में नागरिक की राजनीतिक पहचान उसके वोट से ही पूरी होती है। लोकतंत्र की 'जनता की, जनता के द्वारा सरकार' वाली परिभाषा भी तभी सार्थक होती है, जब वोट देने का नागरिक का अधिकार सुनिश्चित हो।

बहुत पुरानी बात है। आज से ठीक 132 साल पहले महात्मा गांधी ने आत्म–सम्मान का एक मतलब सिखाया था दुनिया को। दक्षिण अफ्रीका में थे तब गांधीजी। गोरों की नेटाल सरकार ने वहां बसे भारतीयों को मताधिकार से वंचित करने का एक कानून पारित किया था। गांधीजी ने इस कानून का विरोध किया। उन्होंने गोरी सरकार को एक पत्र लिखकर यह बताया कि 'बिना वोट के अधिकार वाले भारतीय अपना आत्म–सम्मान खो बैठेंगे।' गांधीजी ने पत्र में लिखा कि चुनाव एक घटना मात्र नहीं होते। चुनाव इस बात की गारंटी होते हैं कि सबसे कमजोर व्यक्ति का भी महत्व हो। आसान नहीं था गोरों को यह बात समझाना, पर गांधी उन्हें यह समझाकर माने थे। इसके लिए गांधीजी ने अपना भारत लौटना ही स्थगित नहीं किया, नेटाल इंडियन कांग्रेस की स्थापना भी की।

औपनिवेशिक सचिव लॉर्ड रिपन को दस हजार भारतीयों के हस्ताक्षर वाली एक याचिका भेजी गई, जिसमें 1894 के मताधिकार संशोधन विधेयक को वापस लेने की मांग की गई थी। और तब गोरी सरकार को गांधीजी की इस मांग को स्वीकार करना पड़ा था। यह विधेयक वापस ले लिया गया था। यह बात अलग है कि बाद में गोरों ने नई चाल चली। दो साल बाद फिर से विधेयक लाया गया। पर उसमें से भारतीय शब्द हटाकर गैर–यूरोपीय मूल के लोगों का मताधिकार समाप्त करने की बात कही गयी थी। लेकिन उससे इस बात का महत्व कम नहीं हो जाता कि 132 साल पहले गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में मताधिकार के महत्व की लड़ाई लड़ी और जीती थी! यह गांधी के 'सत्याग्रह' के पहले की लड़ाई थी।

यह एक संयोग ही है कि उस जीत के बाद आज गांधी के भारत में नागरिकों के मत देने के अधिकार की लड़ाई लड़ी जा रही है। नहीं, भारत सरकार ने मताधिकार वापस लेने का कोई कानून पारित नहीं किया है। थोड़ा अंतर है बात में। गांधी के भारत में आज नागरिक मताधिकार की लड़ाई अवश्य लड़ रहे हैं, पर यह लड़ाई भारत के चुनाव आयोग के साथ है। बिहार, पश्चिम बंगाल जैसे कुछ राज्यों में होने वाले चुनावों के दौरान हमारे चुनाव आयोग ने मतदाता सूची का एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण करने का निर्णय लिया और लगभग करोड़ों मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए। सूची में कटे नामों में ऐसे लाखों मतदाताओं के नाम भी थे, जो पिछले कई चुनावों में लगातार वोट देते आ रहे हैं! शोर मचा हुआ है। देश का मुख्य चुनाव आयुक्त सवालों के घेरे में है। मतदाता सूची के इस फेरबदल में लोगों को राजनीतिक बेईमानी नजर आ रही है। विवाद सड़कों पर भी चल रहा है और न्यायालय में भी। बात उच्चतम न्यायालय तक पहुंच गई है। न्यायालय का क्या निर्णय है, यह तो आने वाला कल ही बताएगा, पर वोटों की इस कथित हेराफेरी ने देश की राजनीति में एक उबाल–सा ला दिया है।

मुद्दा बहुत गंभीर है, इसमें कोई संदेह नहीं। वोट का अधिकार नागरिकता की आत्मा है। ऐसे में देश के लाखों लोगों का यह अधिकार छिन जाना संदेह तो उत्पन्न करता ही है। इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। पश्चिम बंगाल में हुए मतदान से ठीक पहले जब वोट का अधिकार छिन जाने वाले नागरिकों ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया तो उम्मीद की गयी थी कि न्यायालय से कुछ राहत मिलेगी। तब उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश ने यह कहकर नागरिकों का आक्रोश और बढ़ा दिया था कि जिनका वोट देने का अधिकार इस बार छिन गया है, वे अगले चुनाव में वोट दे लेंगे। पता नहीं न्यायाधीश ने क्या सोचकर यह बात कही थी, पर इससे लोगों का गुस्सा अवश्य बढ़ गया था। नागरिकों के मताधिकार को इतने हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। वोट देने का अधिकार नागरिकता का सार है। इसी के माध्यम से सामान्य नागरिक शासन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है। हम न भूलें कि लोकतंत्र में नागरिक की राजनीतिक पहचान उसके वोट से ही पूरी होती है। लोकतंत्र की 'जनता की, जनता के द्वारा सरकार' वाली परिभाषा भी तभी सार्थक होती है, जब वोट देने का नागरिक का अधिकार सुनिश्चित होगा।

नागरिक के मताधिकार को लेकर और चुनाव आयोग की संदेह में डालने वाली भूमिका के संदर्भ में आज यदि देश का युवा मतदाता आक्रोशित है तो इसे गंभीरता से समझने की आवश्यकता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसे हर मुद्दे को विपक्ष भुनाने की कोशिश करता है, और करेगा, लेकिन मतदाताओं के गुस्से को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। देश के नागरिक को वोट देने का अधिकार आसानी से नहीं मिला है। इस अधिकार की रक्षा होनी ही चाहिए। भारत में वयस्क मताधिकार की अवधारणा आजादी की लड़ाई के दौरान ही हमारे नेताओं की समझ का हिस्सा बन चुकी थी। बाद में संविधान सभा में भी डॉक्टर आंबेडकर और अन्य कइयों ने इसे देश की बुनियादी व्यवस्था के रूप में स्वीकारने पर जोर दिया था। डॉक्टर आंबेडकर ने संविधान सभा की एक बैठक में कहा था, 'वयस्क मताधिकार को संविधान में स्पष्ट दर्ज किया जाना चाहिए, ताकि यह बात भविष्य की सरकारों अथवा राजनीतिक बहुमत की इच्छा पर निर्भर न रहे।' वोट देने का अधिकार यह सुनिश्चित करता है कि देश का हर नागरिक समान है। इस अधिकार की रक्षा हर कीमत पर होनी चाहिए।

नाना पाटेकरः अभिनय से बड़ी इंसानियत की विरासत

—हेमन्त पाल—

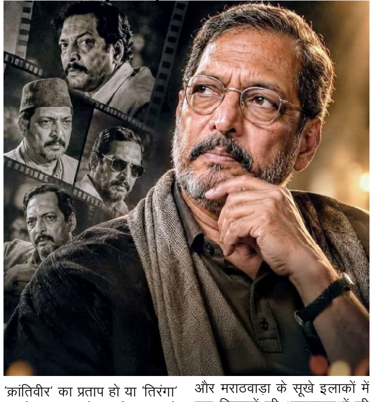

फिल्मों में अभिनेता नाना पाटेकर जितनी बार दिखेंगे, उतनी ही बार उनकी आवाज कानों में गूंजेगी और उनके किरदार सामने आकर खड़े होंगे। मगर नाना ने पर्दे पर जितना अभिनय किया, उससे कहीं ज्यादा गहरी भूमिका जिंदगी में निभाई। वे उन लोगों के बीच खड़े दिखाई दिए, जिनकी पीड़ा सुनने वाला भी कोई नहीं था।

सोशल मीडिया पर कॉमेडी रील देखते हुए अंत में एक चेहरा सामने आता है। जोर–जोर से हंसता हुआ, आंखों में शरारत और चेहरे पर वही बेतकल्लुफी, जिसे देखते ही 'वेलकम' के उदय शेट्टी की याद आ जाती है। यह चेहरा नाना पाटेकर का है। कभी इस चेहरे पर दर्शक हंसे थे, कभी इसकी आंखों में गुस्सा देखकर सहमे थे और कभी इसकी आवाज में छिपी पीड़ा ने उन्हें भीतर तक छुआ था। अब यह चेहरा असल दुनिया से विदा हो गया। नाना ने अपने पीछे अभिनय से कहीं बड़ी इंसानियत की विरासत छोड़ी है।

नाना पाटेकर दुनिया से चले गए, लेकिन उनका चेहरा शायद ही कभी हमारी स्मृतियों से विदा होगा। फिल्मों में वे जितनी बार दिखेंगे, उतनी ही बार उनकी आवाज कानों में गूंजेगी और उनके किरदार सामने आकर खड़े होंगे। मगर नाना को सिर्फ अभिनेता के रूप में याद करना उनके व्यक्तित्व के साथ न्याय नहीं होगा। उन्होंने पर्दे पर जितना अभिनय किया, उससे कहीं ज्यादा गहरी भूमिका उन्होंने जिंदगी में निभाई। पर्दे पर वे कठोर थे, आक्रामक थे, व्यवस्था को चुनौती देते थे, कभी अपराधी बने, कभी सैनिक व कभी विद्रोही नायक। लेकिन कैमरा बंद होने के बाद वही आदमी उन लोगों के बीच खड़ा दिखाई देता, जिनकी पीड़ा सुनने वाला भी कोई नहीं था।

नाना पाटेकर को याद करते हुए सबसे पहले उनकी आवाज सुनाई देती है। हैकृभारी, खुरदुरी और सीधे दिल में उतर जाने वाली। फिर उनका चेहरा सामने आता है। कभी गुस्से से तना हुआ, कभी व्यवस्था से लड़ता, कभी किसी को चुनौती देता और कभी अचानक खिलखिलाकर हंसता हुआ।

हिंदी और मराठी सिनेमा में उन्होंने ऐसे किरदारों को जन्म दिया, जिन्हें केवल अभिनय से नहीं, अपने पूरे व्यक्तित्व से जिया। 'परिंदा' का अन्ना हो, 'प्रहार' का कठोर सैनिक, 'क्रांतिवीर' का प्रताप हो या 'तिरंगा' का तेवरकृनाना ने हर किरदार को अपनी आवाज, आंखों और देहभाषा से ऐसा रूप दिया कि वह चरित्र अभिनेता से बड़ा होकर सिनेमा की स्मृति का हिस्सा बन गया। फिर वही नाना 'वेलकम' में उदय शेट्टी बनकर सामने आए तो उनकी अभिनय क्षमता का दूसरा सिरा भी दिखाई दिया। जिस अभिनेता को देखकर दर्शक 'परिंदा' और 'क्रांतिवीर' में सहम सकते थे, वही 'वेलकम' में अपनी अजीबो–गरीब हंसी, अंदाज और संवादों से लोगों को हंसाता रहा।

उनकी खासियत थी कि वे किसी एक खांचे में फिट होने वाले अभिनेता नहीं थे। उनके भीतर गुस्सा भी था और करुणा भीय कठोरता भी थी और हास्य भी। नाना पाटेकर का फिल्मी सफर 1978 की 'गमन' से शुरू हुआ। 'अंकुश' ने उन्हें पहचान दी और 'परिंदा' ने उनके अभिनय को नई ऊंचाई तक पहुंचाया। इसके बाद 'प्रहार', 'तिरंगा', 'क्रांतिवीर', 'खामोशी', 'अग्निसाक्षी', 'अब तक छप्पन', 'नटसम्राट' और 'वेलकम' जैसी फिल्मों ने उनके अभिनय के विविध रंग सामने रखे। उन्होंने तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से लेकर 2013 में पद्मश्री सम्मान तक हासिल किया। लेकिन पुरस्कारों की लंबी सूची उस नाना को पूरी तरह परिभाषित नहीं कर सकती, जिसे उनके चाहने वाले एक बेहद सादा और संवेदनशील इंसान के रूप में याद करते हैं।

नाना एक संवेदनशील इंसान थे। महाराष्ट्र के किसानों की त्रासदी ने उन्हें भीतर तक झकझोरा। विदर्भ और मराठवाड़ा के सूखे इलाकों में जब किसानों की आत्महत्याओं की खबरें लगातार सामने आ रही थीं, तब उन्होंने केवल दुख जताने तक खुद को सीमित नहीं रखा। वे गांवों में गए, किसानों से मिले, उनके परिवारों के बीच बैठे और उनकी परेशानियों को समझने की कोशिश की। किसान परिवारों की सहायता के लिए काम शुरू किया, जो आगे चलकर 'नाम फाउंडेशन' के रूप में सामने आया। यह नाना की जिंदगी का शायद सबसे बड़ा अध्याय था। जिस आदमी को सिनेमा ने करोड़ों लोगों की पहचान दी, उसने उस पहचान को अपने लिए नहीं, जरूरतमंदों तक पहुंचने के लिए इस्तेमाल किया।

यहीं नाना पाटेकर अपने फिल्मी किरदारों से कहीं बड़े दिखाई देते हैं। पर्दे पर उन्होंने ऐसे किरदार निभाए, जो अपने गुस्से और तेवर से व्यवस्था को चुनौती देते थे। असल जिंदगी में उन्होंने उन लोगों का साथ देने की कोशिश की, जो व्यवस्था की सबसे कमजोर सीढ़ी पर खड़े थे। शायद इसलिए उनकी सामाजिक भूमिका उनके अभिनय से अलग नहीं थी। दोनों के पीछे एक ही चीज काम करती थीकृअन्याय और पीड़ा को देखकर भीतर से बेचैन हो जाना। नाना को दिखावे से हमेशा दूरी रही। उनका रहन–सहन सादा रहा। बातचीत में भी बनावटीपन नहीं था। यही वजह थी कि उन्हें देखकर लगता था कि यह व्यक्ति पर्दे पर जितना बड़ा अभिनेता है, निजी जिंदगी में उतना ही सहज इंसान है।

2024 में हराया, 2027 में भी हराएंगे, अखिलेश यादव ने भाजपा पर साधा निशाना

संवाददाता—देवरिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को हराया था। अब 2027 के विधानसभा चुनाव में भी हराएंगे। उन्होंने कहा कि जो पीड़ित है, वही पीडीए है और समाजवादी पार्टी उसके साथ खड़ी है। उन्होंने भाजपा पर सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। तंज कसते हुए कहा कि भाजपा ने उन्हें दो सीटें दीं। इससे ज्यादा सीटें मिली हों तो बताइए। उन्होंने कहा कि हमने राजभर से कहा था कि योगी जी की कुर्सी खींचो, हम समर्थन करेंगे। अखिलेश यादव शुक्रवार को लार क्षेत्र के रक्सा गांव में पूर्व विधायक स्व. सुरेश यादव की स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सपा अध्यक्ष ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की स्थिति का जिक्र कर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे पर चलकर देखिए, कितने गड्ढे मिल जाएंगे। गोरखपुर में नाव चलने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री पर भी तंज कसा। कहा कि मुख्यमंत्री खुद इंजीनियर बन जाते हैं। उन्होंने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हादसों में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी। अन्य हादसों में मृत लोगों के प्रति भी दुख जताया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पूर्व विधायक स्व. सुरेश यादव के योगदान को कभी नहीं भुला सकती। अंत में कार्यक्रम में मौजूद लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। अखिलेश यादव ने शिक्षक एमएलसी चुनाव में संजयन तिवारी के समर्थन में मतदान की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहारों को छोड़ दें तो अब तीन महीने भी नहीं बचे हैं। करीब 45 से 50 दिन का समय रह गया है। इस चुनाव में गिनती के वोट हैं, इसलिए हर वोट महत्वपूर्ण है। उन्होंने शिक्षकों से संजयन तिवारी को जिताने की अपील करते हुए कहा कि वह शिक्षक हैं और सदन में पहुंचकर अपनी आवाज उठाएंगे। उन्होंने निष्पक्ष मतदान का आग्रह किया और कहा कि कोई बेईमानी न करें।

कस्तूरबा विद्यालय की बेटियां सीखेंगी कंप्यूटर, सात स्कूलों में बनेगी आधुनिक लैब

संवाददाता—देवरिया। कस्तूरबा विद्यालय की बेटियां सीखेंगी कंप्यूटर, सात स्कूलों में बनेगी आधुनिक लैब कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में पढ़ने वाली बेटियों के लिए डिजिटल शिक्षा की राह आसान होने जा रही है। अब उन्हें कंप्यूटर सीखने के लिए विद्यालय से बाहर भटकना नहीं पड़ेगा और न ही कोर्स के लिए अतिरिक्त रुपये खर्च करने होंगे। जिले के सात कस्तूरबा विद्यालयों में आधुनिक कंप्यूटर लैब का निर्माण कराया जा रहा है। इससे करीब 809 छात्राओं को विद्यालय में ही कंप्यूटर शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। जिले के 13 विकासखंडों में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय संचालित हैं। वहीं, तीन विकासखंडों में नए विद्यालयों के निर्माण के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। वर्तमान में संचालित विद्यालयों में से सात का चयन कंप्यूटर लैब के निर्माण के लिए किया गया है। प्रत्येक विद्यालय में करीब 22.98 लाख रुपये की लागत से आधुनिक लैब तैयार की जा रही है। इसके लिए शासन की ओर से धनराशि आवंटित की गई है।

कंप्यूटर लैब तैयार होने के बाद छात्राओं को बुनियादी कंप्यूटर ज्ञान के साथ डिजिटल शिक्षा हासिल करने का अवसर मिलेगा। इससे उनकी तकनीकी समझ विकसित होगी और आगे की पढ़ाई तथा रोजगार से जुड़ी संभावनाओं के लिए भी आधार तैयार होगा। अभी तक कंप्यूटर शिक्षा के लिए बाहर जाने या अतिरिक्त खर्च उठाने में असमर्थ छात्राओं को विद्यालय परिसर में ही सीखने की सुविधा मिल सकेगी।

कंप्यूटर लैब के भवन निर्माण के साथ छात्राओं के लिए जरूरी सुविधाओं का भी ध्यान रखा गया है। प्रत्येक विद्यालय में लैब के फर्नीचर पर करीब 1.70 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इससे लैब को पढ़ाई के अनुकूल बनाया जा सकेगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. राम जियावन मौर्य ने बताया कि विद्यालयों में कंप्यूटर लैब के निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है।

नयमितीकरण व समान वेतन की मांग पर अड़े एनएचएम संविदा कमी

संवाददाता—बलरामपुर। नियमितीकरण व समान कार्य के लिए समान वेतन की मांग को लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदा कर्मियों का हड़ताल जारी है। शुक्रवार को दूसरे दिन भी चिकित्सक व कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार करते हुए सीएमओ कार्यालय में धरना दिया। अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की। उत्तर प्रदेश एनएचएम के संविदा कर्मचारी संघ के आह्वान पर जिले में कार्यरत संविदा चिकित्सक व स्वास्थ्य कर्मी नियमितीकरण व समान कार्य के लिए समान वेतन की मांग पर अड़े हुए हैं। अपनी मांगों को लेकर कर्मचारी तीन दिवसीय हड़ताल कर रहे हैं। शुक्रवार को सुबह 11 बजे ही सैकड़ों की संख्या में चिकित्सक, सुपरवाइजर, स्टाफ नर्स, एलटी सहित अन्य संविदा कर्मचारी धरने पर पहुंच गए। पूरा दिन सीएमओ कार्यालय में बैठक कर धरना दिया। अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी भी की। संघ के जिलाध्यक्ष अविनाश विक्रम सिंह व महामंत्री अभिषेक तिवारी ने कहा कि एनएचएम के संविदा कर्मी 15–20 सालों से अपनी सेवा दे रहे हैं। कई राज्यों में 10 वर्ष तक सेवा करने वाले एनएचएम कर्मियों को नियमित करने की प्रक्रिया चल रही है। प्रदेश में भी यही व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। कहा कि एनएचएम कर्मी नियमित कर्मियों की तरह काम करते हैं इसलिए उन्हें समान कार्य के लिए समान वेतन दिया जाना चाहिए। इसके अलावा कैशलेस चिकित्सा सुविधा दिए जाने, महंगाई भत्ता व ग्रेच्युटी का लाभ दिए जाने, रिक्त पदों पर गैर जनपद स्थानांतरण नीति लागू किए जाने, अनुकंपा नियुक्ति का लाभ दिए जाने, आउटसोर्स कर्मियों का जिला स्वास्थ्य समिति में समायोजन व नियमित पदों की भर्तियों में विशेष कोटा निर्धारित किए जाने की मांग की जा रही है।

बेटी की फीस जमा करने जा रही मां की सड़क हादसे में मौत

संवाददाता—देवरिया। मईल थाना क्षेत्र के बरठा–बरेजी मार्ग पर ज्ञान छपरा गांव के सामने शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत हो गई। वह अपनी पांच वर्षीय बेटी की स्कूल फीस जमा करने जा रही थीं। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर सलेमपुर की तरफ फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस महिला को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भागलपुर ले गई, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सास ने शव की पहचान की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए देवरिया भेज दिया। बरहज थाना क्षेत्र के पैना गांव निवासी रीना चौहान (27) पत्नी कृष्णानंद चौहान शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे अपनी पांच वर्षीय बेटी आकृति की फीस जमा करने के लिए स्कूटी से बरठा चौराहे स्थित एक निजी विद्यालय जा रही थीं। अभी वह ज्ञान छपरा गांव के सामने पहुंची थीं कि बरहज की तरफ से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक ने पीछे से उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि रीना के सिर में गंभीर चोट लग गई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मईल थानाध्यक्ष विकास नाथ मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस से महिला को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भागलपुर पहुंचाया। वहां चिकित्सक डा. अविनाश मौर्य ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रीना की पहचान उनकी सास किसमौती देवी ने की। रीना के पति कृष्णानंद चौहान मर्चेंट नेवी में नौकरी करते हैं और फिलहाल बाहर हैं। उनके दो छोटे बच्चे हैं। पांच वर्षीय बेटी आकृति और तीन वर्षीय बेटे असीमित के सिर से मां का साया उठने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। हादसे के बाद आरोपित चालक ट्रक लेकर सलेमपुर की तरफ भाग निकला। पुलिस के अनुसार, साथ में चल रहे एक अन्य ट्रक को पकड़ लिया गया है। उसके चालक से पूछताछ की जा रही है। पुलिस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

विपक्षी समर्थकों के काटे गए वोट, सीईसी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग

संवाददाता—देवरिया। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने आरोप लगाया कि एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के जरिए सरकार ने विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं और समर्थकों के नाम मतदाता सूची से कटवाए हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से हटाए गए नामों को दोबारा जोड़ा जाना चाहिए और सीईसी के विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए। संजय सिंह शुक्रवार को लार थाना क्षेत्र के रक्सा गांव में पूर्व विधायक एवं सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष स्वर्गीय सुरेश यादव की श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नाम पर विपक्ष से जुड़े लोगों के वोट काटे गए हैं। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। उन्होंने मांग की कि एसआईआर के दौरान जिन मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं, उनकी जांच कराकर पात्र लोगों के नाम फिर से जोड़े जाएं। संजय सिंह ने सीईसी के विरुद्ध कार्रवाई की भी मांग की।

सरयू जल से सैफई में नेताजी को नमन, 2027 में सपा की सत्ता वापसी का संकल्प

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या की पुण्यसलिला मां सरयू के पावन तट से श्रद्धा और स्मृतियों का पवित्र जल लेकर समाजवादी कार्यकर्ताओं का एक दल सैफई के लिए रवाना हुआ। अवसर था समाजवादी विचारधारा के पुरोधा एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की चतुर्थ पुण्यतिथि का। सरयू का पवित्र जल नेताजी के समाधिस्थल पर अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से यह यात्रा निकाली गई। इस पहल में आस्था, आत्मीयता और नेताजी के प्रति अटूट सम्मान की भावनाएं परिलक्षित हुईं। इस पवित्र यात्रा को करतालिया आश्रम के पीठाधीश्वर बाल योगी महंत रामदास ने अपने आश्रम से रवाना किया।

इस दौरान राम अजोर यादव पहलवान, बृजेश सिंह चौहान, वीरेन्द्र गौतम, आदर्श प्रकाश यादव, जय यादव सहित अनेक लोगों ने सरयू जल लेकर सैफई प्रस्थान किया। यात्रा के दौरान स्वर्गीय मुलायम सिंह

यादव के योगदान और समाजवादी आंदोलन में उनकी भूमिका का स्मरण किया।

श्रीचंद यादव यादव पहलवान ने कहा कि स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने समाज के कमजोर, वंचित और पिछड़े वर्गों की आवाज को राजनीतिक मंच प्रदान किया। उनके विचार और संघर्ष आज भी समाजवादी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी और जनता के समर्थन से विजय प्राप्त करेगी।करतालिया आश्रम के पीठाधीश्वर बालयोगी बाबा रामदास ने कहा कि अयोध्या का विकास केवल भौतिक निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यहां के स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों, संतों और आमजन की आवश्यकताओं को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में वर्ष 2027 में सरकार बनने की उम्मीद जताते हुए कहा कि उनके मुख्यमंत्री बनने पर अयोध्या के विकास को नई दिशा मिलने की अपेक्षा है।सरयू जल लेकर सैफई रवाना हुए दल की इस पहल को नेताजी के प्रति श्रद्धा अर्पित करने के साथ–साथ उनके राजनीतिक और सामाजिक योगदान के स्मरण के रूप में देखा गया। अयोध्या की पावन धरती से सैफई तक पहुंचने वाला यह जल दो महत्वपूर्ण स्थलों को भावनात्मक सूत्र में जोड़ने का प्रतीक बना।इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जय सिंह यादव, करतालिया आश्रम के पीठाधीश्वर बालयोगी बाबा रामदास, पहलवान मनीराम दास, डॉ. घनश्याम यादव, विकास यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सीएम के कार्यक्रम की तैयारियों का डीएम–एसपी ने जायजा लिया

संवाददाता—बलरामपुर। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार, 10 अक्टूबर को तहसील उतरौला के ग्राम बिलरिया में विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसे लेकर डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन और एसपी मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने शुक्रवार शाम 5 से 10 बजे कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर चल रही तैयारियों का जायजा लिया। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं तय समयसीमा में पूरी की जाएं। कार्यक्रम के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय से काम करने और अपनी जिम्मेदारियां समय से निभाने को कहा। एसपी मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारियों से जरूरी इंतजाम समय से पूरे करने और कार्यक्रम के दौरान सतर्क रहने को कहा। ग्राम बिलरिया में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक अमला जुटा हुआ है। कार्यक्रम में विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया जाना है। प्रशासन का जोर कार्यक्रम को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर है।

ईओ के अपहरण की कोशिश, चेयरमैन की तहरीर पर पुलिस कर रही जांच

संवाददाता—देवरिया। नगर पंचायत पथरदेवा के अधिशासी अधिकारी (ईओ) हिमांशु प्रताप सिंह के साथ मारपीट कर उन्हें जबरन ले जाने के प्रयास का मामला सामने आया है। आरोप है कि विरोध करने पर उनके साथ गाली–गलौज की गई और अवैध असलहे दिखाकर जान से मारने की धमकी दी गई। नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश सिंह ने तरकुलवा थाने में तहरीर देकर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

तहरीर के अनुसार, आठ अक्टूबर की रात ईओ हिमांशु प्रताप सिंह किसी काम से बाहर गए थे। इस दौरान कुछ नए चेहरों के दिखाई देने की जानकारी मिलने पर वह नगर पंचायत अध्यक्ष के घर पहुंचे। अध्यक्ष ने उन्हें रात करीब 11 बजे पथरदेवा स्थित अपने घर आने के लिए कहा। आरोप है कि रात करीब 12 बजे जब अध्यक्ष अपने घर पहुंचे तो ईओ डरे और सहमे हुए थे। इसी दौरान विकास नाम का एक व्यक्ति उन्हें बार–बार फोन कर पथरदेवा चौराहे पर बुला रहा था।

तहरीर में बताया गया है कि इसके बाद अध्यक्ष ईओ को लेकर पथरदेवा चौराहे पर पहुंचे। वहां तीन चारपहिया वाहन खड़े थे, जिनमें से एक का नंबर लखनऊ का बताया गया है। आरोप है कि वाहनों से धीरज, करुणेश और विकास समेत 10 से 12 लोग उतरे और ईओ के साथ गाली–गलौज करते हुए उन्हें जबरन अपने साथ ले जाने का प्रयास करने लगे। इस दौरान ईओ चोटिल होकर बेहोश हो गए।

आरोपितों के पास अवैध असलहे होने और सड़क पर वाहन लहराते हुए जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। घटना की सूचना तत्काल तरकुलवा थाने को दी गई। तहरीर के मुताबिक, पुलिस के मौके पर पहुंचने पर आरोपित भागने लगे। इस दौरान पुलिस ने दो लोगों को पकड़ लिया। उनकी पहचान नितेश शुक्ला और विवेक दुबे के रूप में बताई गई है। पुलिस दोनों को थाने ले गई।

नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश सिंह ने आरोप लगाया कि घटना से पथरदेवा बाजार में भय का माहौल पैदा हो गया है। उन्होंने पुलिस से आरोपितों के खिलाफ अपहरण के प्रयास, मारपीट, धमकी देने समेत अन्य सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है। अध्यक्ष का कहना है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होने से भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

सेवा और भक्ति के प्रतिमान थे महंत प्रभु दास शास्त्री

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। रामनगरी की आध्यात्मिक परंपरा और संत समाज की सेवा–साधना को समर्पित श्रीराम आश्रम, रामकोट के पूर्वाचार्य साकेतवासी महंत प्रभु दास शास्त्री महाराज की छठी पुण्यतिथि श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाई गई। अश्विन कृष्णपक्ष चतुर्दशी के अवसर पर शुक्रवार को आश्रम परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में संत–महंतों ने उनके चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस दौरान संतों ने उनके कृतित्व, व्यक्तित्व और सेवा–परायण जीवन का स्मरण करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी।श्रीराम आश्रम के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत डॉ. जयराम दास वेदांती ने कहा कि गुरुदेव महंत प्रभु दास शास्त्री महाराज का संपूर्ण जीवन भक्ति, विनम्रता और सेवा के आदर्शों को समर्पित रहा। वे गौसेवा और संतसेवा के प्रति विशेष अनुराग रखते थे। उनके स्वभाव में सहजता, सरलता और उदारता का अद्भुत समन्वय था। भगवान श्रीसीताराम के अनन्य उपासक होने के साथ ही वे भजनानंदी संत के रूप में प्रतिष्ठित थे। उन्होंने कहा कि गुरुदेव के लिए सेवा ही परम धर्म थी। आश्रम में आने वाले किसी भी व्यक्ति को वे निराश अथवा भूखा नहीं लौटने देते थे। सेवा को साधना मानकर उन्होंने आजीवन इस मार्ग का अनुसरण किया और अपने शिष्य–अनुयायियों को भी इसी भाव से जनसेवा तथा संतसेवा के लिए प्रेरित किया।महंत डॉ. जयराम दास वेदांती ने कहा कि गुरुदेव ने आश्रम के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके बताए मार्ग पर चलते हुए आज भी आश्रम में गौसेवा, संतसेवा, विद्यार्थियों की सेवा तथा आगंतुकों के सत्कार की परंपरा निरंतर चल रही है। धार्मिक उत्सवों, समैया और पर्वों का आयोजन भी परंपरागत रीति से किया जाता है। श्रीराम आश्रम अयोध्याधाम के प्रमुख धार्मिक पीठों में अपना विशिष्ट स्थान रखता है।पुण्यतिथि महोत्सव के क्रम में प्रातः आश्रम के गर्भगृह में विराजमान भगवान श्री मैथिली रमण राम का विधिवत पूजन–अर्चन किया गया। भोग और आरती के उपरांत संत–महंतों ने प्रसाद ग्रहण किया। अंत में पीठाधीश्वर महंत डॉ. जयराम दास वेदांती ने संतों का स्वागत–सम्मान कर उन्हें भेंट प्रदान की और विदाई दी।इस अवसर पर श्रीराम वल्लभ कुंज के अधिकारी राजकुमार दास, महंत उद्धव शरण, महंत रामानुज शरण ब्रह्मचारी, महंत राममिलन शरण, महंत गोविंद दास, महंत गणेशानंद दास, महंत श्यामसुंदर दास, महंत सनत कुमार दास, महंत वीरेंद्र दास, महंत महेश दास, महंत रामनारायण दास, रवि नागा और स्वामी गयाशरण सहित अनेक संत–महंत, शिष्य, अनुयायी एवं आश्रम से जुड़े परिकर उपस्थित रहे।

बॉक्सिंग चैंपियन आयुषी प्रजापति बनीं उत्तर प्रदेश पुलिस में दारोगा, कुशीनगर का नाम किया रोशन

संवाददाता—कुशीनगर। हौसले बुलंद हों तो मेहनत की राह में मौसम की मार भी बाधा नहीं बनती। हाटा की आयुषी प्रजापति ने महज 10 वर्ष की उम्र में बॉक्सिंग सीखने का सपना देखा और उसे पूरा करने के लिए दिन–रात एक कर दिया। रिंग में मुक्कों के दम पर राज्य से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक पदक जीतने वाली आयुषी अब उत्तर प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षक (दारोगा) के पद पर चयनित हुई हैं। आठ अक्टूबर 2026 को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। हाटा के वार्ड नंबर 25 इंदिरा नगर निवासी संतोष कुमार प्रजापति और सुनीता देवी की पुत्री आयुषी की खेल यात्रा वर्ष 2012 में शुरू हुई। आरके बॉक्सिंग क्लब एवं स्पोर्ट्स अकादमी, हाटा के कोच राजेश कुमार गुप्ता बताते हैं कि उस समय 10 वर्ष की आयुषी उनके पास आई और कहा, सर, मुझे बॉक्सिंग करनी है। उनकी लगन देखकर कोच ने प्रशिक्षण देना शुरू किया। इसके बाद आयुषी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

वर्ष 2014 में झांसी के मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में जूनियर महिला राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पहली बार हिस्सा लिया और स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। वर्ष 2015 में वाराणसी के संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम और 2016 में प्रयागराज के पंडित मदन

मोहन मालवीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में भी स्वर्ण पदक हासिल किया। वर्ष 2017 में मेरठ के कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उसी वर्ष रोहतक, हरियाणा में आयोजित प्रथम जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया। आयुषी की सफलता का सिलसिला आगे भी जारी रहा। वर्ष 2018 में उत्तराखंड में आयोजित तृतीय यूथ महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। वर्ष 2022 में हिसार, हरियाणा में सीनियर महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 2023 में भोपाल, मध्य प्रदेश में आयोजित इंडियन नेशनल महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया। वर्ष 2024 में 37वें राष्ट्रीय खेलों के लिए चयनित होने के बाद गोवा में आयोजित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ा। वर्ष 2025 में नोएडा में आयोजित सीनियर महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भी प्रतिभाग किया। खेल के साथ करियर को भी आगे बढ़ाते हुए आयुषी ने वर्ष 2025 में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में कांस्टेबल के पद पर नौकरी ज्वाइन की। इसके बाद उत्तर प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षक पद पर चयनित होकर उन्होंने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। आठ अक्टूबर को मुख्यमंत्री से नियुक्ति पत्र मिलने के बाद उनकी वर्षों की मेहनत को नई पहचान मिली। आयुषी के पिता संतोष कुमार प्रजापति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में स्वास्थ्यकर्मी हैं, जबकि माता सुनीता देवी गृहिणी हैं। उनके भाई आलोक नाथ भी राष्ट्रीय स्तर के बॉक्सर हैं। उनकी बहन एमबीबीएस की तैयारी कर रही हैं।

कार्यालय नगर पंचायत मुण्डेरवा, जनपद–बस्ती

निविदा आमंत्रण सूचना (ई– प्रोक्यूरमेंट सूचना)

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है. कि नगर पंचायत मुण्डेरवा में संयुक्त सचिव उत्तर प्रदेश शासन नगर विकास अनुभाग 05 के आदेश संख्या 396/2026/3419/नौ–5–2026/001–Co No 2080968 दिनांक 19 अगस्त 2026 व आदेश संख्या 431/2026/3625/नौ–5–2026/001–Co No 2084620 दिनांक 03 432/2026/3626/नौ–5–2026/001–Co No 2083510 दिनांक 03 426/2026/नौ–5–2026/001–Co No 2084045 दिनांक 03 सितम्बर 2026 सितम्बर 2026 सितम्बर 2026 व आदेश संख्या आदेश संख्या आदेश संख्या 517/2026/नौ–5–2026/001–Co No 2089958 दिनांक 23 सितम्बर 2026 व नगर विकास अनुभाग 09 लखनऊ के आदेश संख्या–331/2026/आर0एफ0–1837/नौ–9–2026/005–ई–2073622 दिनांक 29, सितम्बर 2026 द्वारा स्वीकृत कार्य का ऑन लाइन निविदा आमन्त्रित किया जा रहा है। कार्यो से सम्बन्धित निविदा प्रपत्र वेवसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा। वेवसाइट पर उपलब्ध निविदा नोटिस में धरोहर धनराशि, निविदा डालने की तिथि, समय, श्रेणी, कार्य करने की अवधि एवं निविदा लागत तथा निविदा के विस्तृत नियम एवं शर्तो का उल्लेख है।

कमांक	ई–निविदा प्रकाशित किये जाने की तिथि व समय	तिथि	समय
1	ई–निविदा डाउनलोड किये जाने की प्रारम्भ तिथि व समय	12.10.2026	12:00 बजे
2	ई–निविदा अपलोड किये जाने की अंतिम तिथि व समय	12.10.2026	12:00 बजे
3	वेबसाईट पर ई–निविदा प्रकाशन की तिथि व समय	02.11.2026	12:00 बजे
4	ई–निविदा खोलने की तिथि व समय	02.11.2026	14:00 बजे

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत मुण्डेरवा, बस्ती

अध्यक्ष
नगर पंचायत मुण्डेरवा, बस्ती

पत्रांकः–595(2)/निविदा/न0पं0मु0ब0/2026–27 दिनांक–09.10.2026

गतिविधि आधारित शिक्षण समय की जरूरत -संजय शुक्ल

-प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता के लिए पांच प्रतिभागी चयनित

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण को रुचिकर, प्रभावी और गतिविधि आधारित बनाने के उद्देश्य से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में शुक्रवार को कला, क्राफ्ट एवं पपेट्री के माध्यम से शिक्षण संबंधी प्रतियोगिता–2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जनपद के 80 शिक्षकों ने प्रतिभाग कर अपने शैक्षिक नवाचारों और रचनात्मक शिक्षण विधियों का प्रदर्शन किया। विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पांच शिक्षकों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया।

डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि शिक्षण को केवल पुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय बच्चों के अनुभवों, गतिविधियों और रचनात्मक अभिव्यक्ति से जोड़ना समय की आवश्यकता है। कला, क्राफ्ट जैसी विधियां कठिन विषय–वस्तु को सरल एवं सहज बनाने के साथ बच्चों की सीखने में रुचि बढ़ाती हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के नवाचारों को मंच प्रदान करते वाली ऐसी प्रतियोगिताएं शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और कक्षा–कक्षा में नए प्रयोगों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर पर भाषा एवं गणित तथा उच्च प्राथमिक स्तर पर गणित, सामान्य अध्ययन और विज्ञान विषयों में शिक्षकों ने अपने नवाचार प्रस्तुत किए। प्राथमिक स्तर पर भाषा विषय में सुनीता चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि गणित में प्रवेश कुमार प्रथम रहे। उच्च प्राथमिक स्तर पर सामान्य अध्ययन में राम लखन, विज्ञान में सुनील कुमार पाण्डेय और गणित में राजीव कुमार ने प्रथम स्थान हासिल किया। ये पांचों शिक्षक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता के नोडल प्रवक्ता डॉ. गोविंद प्रसाद ने कहा कि कला, क्राफ्ट और पपेट्री के माध्यम से शिक्षण बच्चों को करके सीखने का अवसर देता है। इन विधियों के प्रयोग से कक्षा में बच्चों की सहभागिता बढ़ती है और विषय–वस्तु को समझना आसान होता है। उन्होंने शिक्षकों से शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के लिए रचनात्मक प्रयोग अपनाने का आह्वान किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, नीलम गुप्ता, पूर्णिमा श्रीवास्तव, प्रमोद यादव और विनय वर्मा शामिल रहे। प्रतियोगिता का उद्देश्य शिक्षकों के शैक्षिक नवाचारों को प्रोत्साहित करना तथा विद्यालयों में गतिविधि आधारित शिक्षण को बढ़ावा देना रहा।

इस अवसर पर सरिता चौधरी, अलीउद्दीन खान, वर्षा पटेल, वंदना चौधरी, कल्याण पाण्डेय, डॉ ऋचा शुक्ला, शशि दर्शन त्रिपाठी, नवनीत वर्मा आदि उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

-विजेताओं को मेडल देकर किया गया सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता– हर्रैया (बस्ती)। बीआर इंटर कॉलेज हर्रैया के तत्वावधान में शुक्रवार को नेशनल इंटर कॉलेज हर्रैया में दो दिवसीय क्षेत्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। आयोजक विद्यालय के अध्यक्ष मनोहर लाल गुप्ता और आयोजन स्थल के प्रबंधक सौरभ सिंह ने संयुक्त रूप से प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। पहले दिन विभिन्न विद्यालयों से आए खिलाड़ियों ने गोला फेंक और दौड़ स्पर्धाओं में दमखम दिखाते हुए अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विभिन्न स्पर्धाओं में स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता प्रभाकर ओझा, विवेक कुमार श्रीवास्तव और मनोज कुमार राय की देखरेख में संपन्न हुई। मैदान पर बेहतर प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। गोला फेंक में खिलाड़ियों ने अपनी शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन किया, वहीं दौड़ स्पर्धाओं में गति और प्रतिस्पर्धा का रोमांच देखने को मिला।

गोला फेंक के अंडर–17 बालक वर्ग में शांति देवी इंटर कॉलेज, बढ़नी के शुभम चौधरी ने प्रथम स्थान हासिल किया। परशुरामपुर के शुभम द्वितीय और विक्रमजोत के अंकित तृतीय स्थान पर रहे। अंडर–14 बालक वर्ग में गौर के सलमान ने बाजी मारी। छावनी के जूरे जमन द्वितीय और बिहरा के राज यादव तृतीय स्थान पर रहे। 200 मीटर बालक वर्ग की दौड़ में हाजी मोहम्मद अमीन इंटर कॉलेज, हर्रैया के किशन पांडेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। नेशनल इंटर कॉलेज, हर्रैया के राज द्वितीय और गौर के अखिलेश प्रजापति तृतीय स्थान पर रहे। 400 मीटर दौड़ के अंडर–14 बालक वर्ग में छावनी के शिवा प्रथम, बिहरा बाजार के प्रिंस द्वितीय और परशुरामपुर के अंगद तृतीय स्थान पर रहे। इसी स्पर्धा के अंडर–17 बालक वर्ग में प्रभावती इंटर कॉलेज के सिद्धार्थ पांडेय ने प्रथम स्थान हासिल किया। रामप्यारी इंटर कॉलेज के सूरज द्वितीय और बिहरा इंटर कॉलेज के मोहित तृतीय स्थान पर रहे।प्रतियोगिता को निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में निर्णायक मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। निर्णायकों में हरीश सिंह, प्रभाकर सिंह, जगन्नाथ यादव, अभिषेक कुमार, अखिलेश वर्मा, अमित कुमार मिश्रा, सुरेंद्र शुक्ला, सुभाष यादव, सुनील सिंह, विनोद वर्मा, इंद्रजीत वर्मा, प्रदीप सिंह, पूर्णिमा तिवारी और आदित्य प्रताप सिंह शामिल रहे।कार्यक्रम का संचालन वेद प्रकाश द्विवेदी और पद्मपाणि पाठक ने संयुक्त रूप से किया। आयोजक विद्यालय के प्रधानाचार्य आलोक कन्नौजिया ने अतिथियों, शारीरिक शिक्षा शिक्षकों और प्रतिभागी खिलाड़ियों का स्वागत किया। उन्होंने प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य विनोद प्रकाश वर्मा, बृजेश पासवान, नंदलाल गुप्ता, सूर्य प्रकाश सिंह, यशवंत सिंह सहित अनेक खेल प्रेमी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राहुल गांधी के कंधे से कंधा मिलाने दिल्ली चलें कांग्रेसी -वीरेंद्र चौधरी

संवाददाता–गोरखपुर। कांग्रेस विधानमंडल दल के नवनियुक्त नेता फरेंदा विधायक वीरेंद्र चौधरी ने कार्यकर्ताओं से 12 अक्टूबर को अधिकाधिक संख्या में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आवाज उठाने और राहुल गांधी के कंधे से कंधा मिलाने के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया। शुक्रवार को पहली बार गोरखपुर पहुंचे वीरेंद्र चौधरी का एयरपोर्ट पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूल–मालाओं और बुके से स्वागत किया। देर शाम मोहद्दीपुर स्थित एक निजी होटल में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। वीरेंद्र चौधरी ने कहा कि 36 साल से सत्ता से बाहर रहने के बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं के उत्साह और आत्मविश्वास में कमी नहीं आई है। राहुल गांधी ने डिजिटल मंच के माध्यम से सत्याग्रह का आह्वान किया है। कांग्रेस के सभी लोग उनके साथ एकजुट हैं। आजादी के समय भी कांग्रेस ने कई लड़ाइयां लड़ी थीं और आगे भी जनता के मुद्दों पर संघर्ष जारी रहेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग से जनता का विश्वास टूट रहा है। ज्ञानेश कुमार ने आयोग की छवि को कलंकित किया है, इसलिए उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। एयरपोर्ट पर स्वागत करने वालों में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव डॉ. सैयद जमाल, जिलाध्यक्ष राजेश तिवारी, महानगर अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद, अनवर हुसैन, संतोष प्रताप सिंह, प्रेम प्रकाश तिवारी, संजय सिंह, राजकुमार पासी, दुर्गेश निषाद, सोनू पासवान, रजई निराला, संतोष निषाद, मनोज श्रीवास्तव, अमित त्रिपाठी, आलोक रंजन वर्मा समेत अन्य उपस्थित रहे।

शोध की गुणवत्ता और अकादमिक नैतिकता पर विशेषज्ञों ने दिए टिप्स

संवाददाता–गोरखपुर। डीडीयू के शिक्षाशास्त्र विभाग में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से आयोजित दस दिवसीय शोध पद्धति पाठ्यक्रम के तीसरे दिन शोध की गुणवत्ता, अकादमिक नैतिकता, मुक्त शैक्षिक संसाधनों और सांख्यिकीय विश्लेषण पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। पहले सत्र में केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रुचि दुबे ने कहा कि शोध में मौलिकता बनाए रखने के लिए संदर्भों का उचित उल्लेख और मूल स्रोतों को श्रेय देना जरूरी है। उन्होंने शोधार्थियों को अकादमिक ईमानदारी और नैतिक मानकों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।दूसरे सत्र में मनोविज्ञान विभाग की प्रो. विस्मिता पल्लवाल ने कहा कि डिजिटल अध्ययन सामग्री शोधार्थियों के लिए ज्ञान के नए अवसर उपलब्ध कराती है।

विश्वसनीय ऑनलाइन स्रोतों का चयन और उनका प्रभावी उपयोग शोध प्रक्रिया को अधिक सुगम बना सकता है।तीसरे सत्र में मनोविज्ञान विभाग के डॉ. प्रतीक उपाध्याय ने टी–परीक्षण और प्रसरण विश्लेषण जैसी सांख्यिकीय तकनीकों को उदाहरणों के माध्यम से समझाया।

रेलवे स्टेशन रोड पर अवैध दुकानों और मकानों पर चला रेलवे प्रशासन का बुलडोजर

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। उसका बाजार रेलवे स्टेशन रोड पर शुक्रवार को रेलवे प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से बने दर्जनों दुकानों और मकानों को बुलडोजर की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और स्थानीय पुलिस के जवान बड़ी संख्या में तैनात रहे। अभियान से इलाके में अफरा–तफरी का माहौल रहा। रेलवे प्रशासन ने कुछ दिन पहले ही रेलवे की जमीन पर बने अवैध मकानों, दुकानों, पानी की टंकियों और ठेलों को हटाने के लिए नोटिस जारी किया था। अतिक्रमण हटाने के लिए नौ और 10 अक्टूबर की तारीख निर्धारित की गई थी। तय समयसीमा के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर शुक्रवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की गई।

अभियान के तहत दो बुलडोजर लगाकर एक–एक कर अवैध निर्माणों को गिराया गया। कार्रवाई के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था से निपटने और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए आरपीएफ तथा स्थानीय पुलिस के जवान मौके पर तैनात रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

रुचि प्रकटन आमंत्रण

E.O.I. सूचना सं0-2026/मेड/245/1/स्वा.केंद्र/जांच सुविधा, दिनांक: 03-10-2026

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ कृते भारत के राष्ट्रपति महोदया की ओर से लखनऊ मण्डल के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों के स्वास्थ्य केन्द्रों सीतापुर, मैलानी, नानपारा, बस्ती तथा आनन्द नगर के रेलवे लाभार्थियों हेतु रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित पैथोलॉजिकल एवं रेडियोलॉजिकल जांच की सुविधा स्वास्थ्य इकाई स्तर पर CGHS दर या उससे कम पर प्रदान करने हेतु संबंधित स्टेशनों के प्राइवेट/सरकारी जांच केन्द्रों से E.O.I. (Expression of Interest) रुचि प्रकटन आमंत्रित किए जाते हैं।

उक्त E.O.I. सूचना पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाइट (www.ner.indianrailways.gov.in) पर जॉचों के नाम तथा नियम एवं शर्तों के साथ उपलब्ध है, जिसे देखा एवं निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि व समय 10-11-2026 समय 16.00 बजे तक है। प्राप्त E.O.I. दिनांक 13-11-2026 को समय 15:30 बजे खोला जाएगा। यदि उक्त दिवस में अवकाश होता है तो अगले कार्य दिवस में प्राप्त कोटेशनों को खोला जाएगा।

अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक

मुजाहिद/विविध-28 पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

मूलवाद संख्या 468/2022

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान–नौगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

सुभावती

बनाम

विष्णु प्रसाद आदि

1. विष्णु पुत्र किशोरी 2. रामसमुझ 3. बुड्डू 4. दिनेश पुत्रगण स्व0 रामगुलाम 5. कृष्णा पुत्र कैलाशी देवी 6. पुजारी 7. सिवपाल 8. शिवचन्द्र पुत्रगण रामबली 9. जुगुरा पुत्री भोला 10. हमेन्द्र 11. कृष्णा पुत्रगण भोला 12. फूलकारी पुत्री सुजारी 13. दिनेश 14. अनिल 15. दिलीप 16. मुकेश पुत्रगण सुजारी 17. महेन्द्र पुत्र फुलकारी 18. सहेन्द्र पुत्र स्व सुजारी 19. कुसुम पुत्री स्व0 फुलकारी पुत्री स्व0 सुजारी साकिन खैरी उर्फ झुगहवा तप्पा ढेबरूआ परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 17–10–2026

प्रतिवादी ने आपके विरुद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 17–10–2026 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेस्पान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर समायत अपील

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

निगरानी सं0–527/2024

क0 वाद सं0–C202417000000527

धारा 219उ भू0रा0सं0

कन्हैया

बनाम

मो0 इसरार आदि

बावत मौजा गनेशपुर तप्पा गनेशपुर 1. मो0 इसरार 2. अब्दुल रहमान 3. बदरूल हसन वालिगान पुत्रगण मो0 हुसैन 4. मो0 आदिल 5. मो0 साबिर 6. लाडले 7. लालू 8. सोनू वालिगान पुत्रगण मो0 हनीफ निवासीगण मौजा गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

–रेस्पान्डेन्ट प्रथम वर्ग

9. नगर पंचायत गनेशपुर जरिये अध्यक्ष 10. राज्य सरकार उ0प्र0 सरकार जरिये जिलाधिकारी बस्ती

–रेस्पान्डेन्ट द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 13–10–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 13 महीना 10 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 09 माह 10 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

स्कूल से गैस सिलेंडर और अनाज चोरी

संवाददाता–संतकबीरनगर। सेमरियावां–दुधारा थानाक्षेत्र के उच्च प्राथमिक (कंपोजिट) विद्यालय कोहरियावां में चोरी हुई है। गुरुवार रात अज्ञात चोरों ने रसोईघर का ताला तोड़कर एक गैस सिलेंडर और मध्याह्न भोजन के लिए रखा अनाज चुरा लिया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अब्दुर्रहमान ने दुधारा पुलिस को शिकायत दी है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को विद्यालय पहुंचने पर रसोईघर का ताला टूटा मिला और सामान गायब था। इस चोरी से बच्चों के मध्याह्न भोजन की व्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका है। प्रधानाध्यापक ने पुलिस से मामले में श्ध दर्ज करने, जांच करने और चोरी हुए सामान को बरामद करने की मांग की है।

अमृत भारत, इंटरसिटी समेत कई ट्रेनों का रूट बदला

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर–गोंडा रूट पर स्वामी नारायण छपिया–मनकापुर स्टेशन के बीच 10 और 11 अक्टूबर को ऑटोमेटिक सिग्नलिंग की कमीशनिंग के लिए नॉन–इंटरलॉक कार्य कराया जाएगा। इसके लिए रेलवे ने ब्लॉक देने का फैसला किया है। इसके चलते अमृत भारत, इंटरसिटी समेत कई ट्रेनें बदले रूट से चलाई जाएंगी और कुछ पैसेंजर और सवारी ट्रेनें दो दिन निरस्त भी रहेंगी। पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ सुमित कुमार ने इसकी जानकारी दी। विस्तृत जानकारी रेलवे की वेबसाइट पर उपलब्ध है। रेलवे ने इससे पहले 26 और 27 सितंबर को भी इसी कार्य के लिए ब्लॉक का निर्णय लिया था, लेकिन अपरिहार्य कारणों से बाद में ब्लॉक निरस्त कर दिया गया था। 10 अक्टूबर को 64220 अयोध्या कैंट–मनकापुर मेमू, 64223–64224 मनकापुर–अयोध्या धाम जंक्शन–मनकापुर मेमू, 64217 मनकापुर–अयोध्या कैंट मेमू निरस्त रहेगी। 10 और 11 अक्टूबर को चलने वाली 55093 गोरखपुर–गोंडा पैसेंजर तथा 55091 गोंडा–सीतापुर सिटी पैसेंजर भी निरस्त रहेगी। 11 और 12 अक्टूबर को 55094 गोंडा–गोरखपुर सवारी गाड़ी तथा 11 और 12 को 55092 सीतापुर सिटी–गोंडा सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी। 10 अक्टूबर को 65115–65116 भटनी–अयोध्या धाम जंक्शन–भटनी मेमू भी निरस्त रहेगी। 10 अक्टूबर को 14213 वाराणसी जंक्शन–नेपालगंज रोड एक्सप्रेस अयोध्या धाम स्टेशन पर यात्रा समाप्त करेगी। 11 अक्टूबर को 14214 नेपालगंज रोड–वाराणसी जंक्शन एक्सप्रेस अयोध्या धाम से चलाई जाएगी। यह ट्रेन नेपालगंज रोड–अयोध्या धाम के बीच निरस्त रहेगी। 10 अक्टूबर को 14233 प्रयागराज संगम–मनकापुर एक्सप्रेस अयोध्या कैंट–मनकापुर के बीच निरस्त रहेगी। 11 अक्टूबर को मनकापुर से चलने वाली 14234 मनकापुर–प्रयागराज संगम एक्सप्रेस अयोध्या कैंट से चलाई जाएगी। 10 अक्टूबर को 20103 एलटीटी–गोरखपुर एक्सप्रेस गोंडा–बढ़नी–गोरखपुर के रास्ते चलेगी। 11 अक्टूबर को 22549 गोरखपुर–प्रयागराज जंक्शन वंदे भारत मनकापुर–गोंडा–बाराबंकी के रास्ते चलेगी। नौ अक्टूबर को चलने वाली 15949 डिब्रूगढ़–गोमती नगर एक्सप्रेस छपरा–औंड़िहार–वाराणसी जंक्शन–अयोध्या कैंट–बाराबंकी के रास्ते चलाई जाएगी। 10 अक्टूबर को 12565 दरभंगा–नई दिल्ली एक्सप्रेस गोरखपुर–बढ़नी–गोंडा के रास्ते चलेगी। इसी दिन 14048 दिल्ली–सीतामढ़ी अमृत भारत एक्सप्रेस भी गोंडा–बढ़नी–गोरखपुर के रास्ते चलेगी।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–2831/24

(धारा 9 A2)

अदालत– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी द्वितीय हर्रैया बस्ती जिला–बस्ती

सरकार

बनाम

हरीराम

1. हरीराम पुत्र भागीरथी ग्राम डड़वा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती 2. सुभागी पत्नी नन्दा 3. शीला पत्नी जय प्रकाश निवासीगण ग्राम बोडिहा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 02–11–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 02 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपको हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 06 माह 10 सन 2029 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती

उत्तराधिकार प्रकीर्ण वाद सं0 195/2026

सत्यम पाण्डेय–सायल

सत्यम पाण्डेय उम्र करीब 21 वर्ष पुत्र स्व0 प्रहलाद पाण्डेय निवासी साकिन–गौरा गोसाई, तप्पा–बनगंवा, परगना–अमोढ़ा, तहसील–हरैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–10–2026

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 10–10–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–695/2024

श्याम बिहारी

बनाम

श्रीमती चन्द्रकांति अरोरा

1. श्रीमती चन्द्रकांति अरोरा उम्र लगभग 75 वर्ष पत्नी मोहनलाल अरोरा निवासी मोहल्ला– नई बाजार पुरानी बस्ती, तप्पा– हवेली, परगना बस्ती पूरबी तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–11–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपको इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0– 313/2025

शीतला प्रसाद

बनाम

रामलौट आदि

1. रामलौट उम्र 62 साल 2. गंगाराम उम्र 55 साल 3. हीरालाल उम्र 45 साल पुत्रगण राम अवध साकिनान रखिया, तप्पा नवाई, परगना नगर पश्चिम, तहसील हरैया, जिला बस्ती

– विपक्षीगण प्रथम वर्ग

4. राम निहोर उम्र 60 साल 5. राम भरोस उम्र 55 साल 6. राम भवन उम्र 50 साल पुत्रगण राम लगन 7. राम उजागिर उम्र 55 साल पुत्र बृज मोहन निवासीगण साकिन रखिया, तप्पा नवाई, परगना नगर पश्चिम, तहसील हरैया, जिला बस्ती

– विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 02–12–2026

हरगाह मुद्दई मजकूरुसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकुम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 02 माह 12 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुद्दहर मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदां की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–6618/2026

धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

रमाकान्त

बनाम

राधेकान्त आदि

साकिन गजहड़ा तप्पा घोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

2. अब्दुल वहीद पुत्र इसहाक 3. आबिद हुसैन पुत्र अक्तर हुसैन साकिन गोल्हौरा तप्पा घोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 4. मोहम्मद मुनीर 5. मोहम्मद युसुफ पुत्रगण जमानतुल्लाह 6. श्रीमती असहरुननिशा पुत्री असगर अली पत्नी अ0 मोइद 7. श्रीमती महरूननिशा पुत्री असगर अली पत्नी अब्दुल वहीद साकिन गोल्हौरा तप्पा घोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 8. अरुन कुमार पुत्र परशुराम 10 राजेश कुमार पुत्र परशुराम 11. अकबर अली पुत्र इनामुल्लाह 12. इजहार अहमद 13. इमरान 14. गुफरान पुत्रगण बैतुल्लाह शेख 15. कैश मो0 16. जैस मो0 पुत्रगण हसनरजा 17. जमीमुननिशा पत्नी बैतुल्लाह शेख 18. नूर मोहम्मद पुत्र घुरहू 19. बरकत अली 20. मुकतार अली पुत्रगण इनामुल्लाह 21. युसुफ पुत्र हसनरजा 22. रफीकुल्लाह पुत्र बैतुल्लाह शेख 23. सरकस पुत्र घुरहू 24. श्रीमती पुष्पावती पत्नी गोविन्द प्रसाद साकिन गजहड़ा तप्पा घोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 25. जनकदुलारी पत्नी रामनयन निवासी ग्राम मझौवा कला तहसील रूधौली जिला बस्ती 26. ग्राम पंचायत गजहड़ा द्वारा अध्यक्ष साकिन गजहड़ा तप्पा घोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 16–10–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपको हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 08 माह 10 सन 2029 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी ताहेरुन्निशा पत्नी साबित अली मोहल्ला तुरकहिया पोस्ट– गांधीनगर जनपद बस्ती (उ.प्र.) की निवासिनी है। मेरे तीन पुत्र और तीन पुत्रियां हैं। सबकी शादी हो चुकी है। मेरा बड़ा लड़का साजिद अली कढ़ाई का काम करता है, शमशाद अली सहायक अध्यापक और छोटा लड़का वारिस अली मुम्बई के एक निजी अस्पताल में कार्यरत है। मेरा बेटा शमशाद अली सहायक अध्यापक परिवार के कहने सुनने में नहीं है और अपनी पत्नी के बहकावे में आकर हम पति, पत्नी को छोड़ दिया है। उसके और उसकी पत्नी शाहीन फातिमा के व्यवहार से मेरा परिवार और हम पति, पत्नी काफी परेशान और दुःखी हैं। इसे देखते हुये दिनांक 9–10–2026 से मैंने अपने शमशाद अली को अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब उसका मेरे और परिवार से कोई सम्बन्ध नहीं है। वाद विवाद, लेन देन या किसी भी कार्य के लिये शमशाद अली स्वयं जिम्मेदार होगा। जब मेरा बेटा शमशाद अली सुधर जायेगा तो बेदखली वापस लेने का अधिकार मेरे पास सुरक्षित रहेगा। प्रकाशन इसलिये करा रही हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com

dainikbhartiyabasti@gmail.com